सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुभमन गिल का मैनचेस्टर में बेहतरीन शतक..... -पेज: 7

रणवीर सिंह की अगली फिल्म में दिखेंगी साउथ एट्रेस श्रीलीला..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 109 | सोमवार 28 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मन की बात का 124वां एपिसोड : विज्ञान, विरासत और विविधता का संदेश, पीएम मोदी के संबोधन की दस बड़ी बातें

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। 124वें एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने कई प्रमुख बातों का उल्लेख किया। उन्होंने भारत की उपलब्धियों के बारे में बात की। देश और समाज के विकास में लोगों के योगदान को भी सराहा।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम की शुरूआत में शुभांशु शुक्ला का जिक्र किया

मन की बात कार्यक्रम की शुरूआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभांशु शुक्ला का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी को लेकर देश में बहुत चर्चा हुई। पूरा देश गर्व से भर गया। अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफलता का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश में एक नया माहौल बना है। विज्ञान और अंतरिक्ष को लेकर बच्चों में एक नई जिज्ञासा भी जागी है। अब छोटे-छोटे बच्चे भी अंतरिक्ष की बात करते हैं। वे अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनने की बात करते हैं।

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण और ज्ञान भारतम् मिशन का भी उल्लेख किया। उन्होने कहा कि इन पांडुलिपियों में विज्ञान, चिकित्सा की पद्धतियां, संगीत और दर्शन हैं

इंस्पायर मानक अभियान की दी जानकारी

इंस्पायर मानक अभियान के बारे में पीएम मोदी ने देशवासियों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बच्चों के नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से 5 बच्चे चुने जाते हैं। हर बच्चा एक नया आइडिया लेकर आता है। इससे अब तक लाखों बच्चे जुड़े हैं और चंद्रयान-3 के बाद इनकी संख्या दोगुनी हुई है।

भारत के मराठा किलों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया

इसक बाद पीएम मोदी ने विरासत की भी बात की। हाल ही में भारत के मराठा किलों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने उन किलों का जिक्र कर कहा कि यह हम सभी को गर्व से भर देने वाली खबर है। उन्होंने कहा कि देश के और हिस्सों में भी अद्भुत किले हैं, जिन्होंने आक्रमण झेले, खराब मौसम की मार झेली, लेकिन आत्मसम्मान को कभी भी झुकने नहीं दिया। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ का किला, कुंभलगढ़ किला, रणथंभौर किला, आमेर किला, और जैसलमेर का किला विश्व प्रसिद्ध हैं। कर्नाटक में गुलबर्गा का किला भी बहुत बड़ा है। चित्रदुर्ग के किले की विशालता भी कौतूहल से भर देती है।

खुदीराम बोस और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन किया

पीएम मोदी ने अगस्त को क्रांति का महीना बताते हुए खुदीराम बोस और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि 11 अगस्त 1908 को अंग्रेजों के खिलाफ अपना देश-प्रेम व्यक्त करने की कीमत चुका रहा था। खुदीराम बोस ने सिर्फ 18 साल की उम्र में वो साहस दिखाया, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। ऐसे ही अनगिनत बलिदानों के बाद, सदियों की तपस्या के बाद, हमें आजादी मिली थी। देश के दीवानों ने अपने रक्त से आजादी के आंदोलन को सींचा था।

पीएम मोदी ने हैंडलूम स्टार्टअप्स के बारे में भी बताया

प्रधानमंत्री ने हैंडलूम स्टार्टअप्स के बारे में भी बताया। कहा, टेक्सटाइल सेक्टर हमारी सांस्कृतिक विविधता की मिसाल है। आज टेक्सटाइल और अपैरल मार्केट बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इस विकास की सबसे सुंदर बात यह है कि गावों की महिलाएं, शहरों के डिजाइनर, बुजुर्ग बुनकर और स्टार्टअप शुरू करने वाले हमारे युवा सब मिलकर इसे आगे बढ़ा रहे हैं।

सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ जारी, चार माओवादियों का शव बरामद

बीजापुर: छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच जारी मुठभेड़ में अब तक चार माओवादियों के शव बरामद किये गये हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान शाम (शनिवार) से ही सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने अब तक मुठभेड़ स्थल से चार माओवादियों के शव और इंसास, एसएलआर राइफलों सहित कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री व दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि चूंकि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए मुठभेड़ के स्थान, अभियान में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती। अधिकारियों ने बताया कि अभियान पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

मनसा देवी मंदिर में भगदड़ के बाद सीएम धामी ने किया मुआवजे का एलान, मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

हरिद्वार (एजेंसी): हरिद्वार स्थित प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह दर्शन के दौरान अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें अब तक 6 श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 25 से 30 लोग घायल हुए हैं। यह हादसा सुबह करीब 9 बजे उस समय हुआ जब मंदिर परिसर में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, भगदड़ अफवाह फैलने के कारण मची। घटना के तुरंत बाद उत्तराखंड एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। मुख्यमंत्री ने जताया शोक, किया मुआवजे का ऐलान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह

धामी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ मचने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। उत्तराखंड एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस तथा अन्य बचाव दल मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। मैं लगातार स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और स्थिति पर निगरानी रखे हुए हूं। माता रानी से सभी श्रद्धालुओं के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं। मुख्यमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर संभव मदद प्रदान कर रही है। मजिस्ट्रियल जांच के आदेश मुख्यमंत्री धामी ने एक वीडियो संदेश में बताया कि घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किसी अफवाह के चलते भगदड़ मची। इस अफवाह की जांच की जा रही है कि यह कैसे और क्यों फैली। जो भी इस हादसे के लिए जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि सभी घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। स्थिति पर प्रशासन की निगरानी जारी वर्तमान में मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

मुजफ्फरपुर के 2.85 लाख मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कटेंगे, इस वजह से हो रहा ऐसा

मुजफ्फरपुर (एजेंसी): मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सत्यापन के लिए गणना प्रपत्र भरने और अपलोड करने का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसकी अंतिम तिथि निर्धारित थी। इसके तहत 91.82 प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्र वेबसाइट पर अपलोड किए गए। जबकि 8.15 प्रतिशत मृत और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता पाए गए। यानी जिले के 11 विधानसभा क्षेत्रों से करीब 2.85 लाख मतदाताओं के नाम सूची से बाहर हो गए हैं। अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन में ये नाम कट जाएंगे। जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 34 लाख 86 हजार 215 है। इस हिसाब से अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या करीब 32 लाख ही रहेगी। सत्यापन कार्य

पूर्ण होने पर इनमें और कमी हो सकती है। अब एक अगस्त से दावा आपत्ति का कार्य शुरू होगा, जो 30 सितंबर तक चलेगा। एक अगस्त को ही मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद सभी ईआरओ और एईआरओ कार्यालय में दावा आपत्ति प्राप्त किया जाएगा। इस दौरान मतदाताओं का सत्यापन भी होगा, जिनका नाम सूची में शामिल नहीं है अथवा जिनका फार्म प्राप्त नहीं हुआ है। उन्हें इस निर्धारित अवधि में आवश्यक प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा। तभी सत्यापन करते हुए उनका नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा, लेकिन पुनरीक्षण कार्य के अंतिम तिथि तक जो आंकड़े सामने आए हैं, उससे स्पष्ट है कि करीब 2.85 लाख मतदातओं के नाम सूची से हट जाएंगे। क्योंकि इसमें वैसे लोगों का नाम है जो या तो मृत हो चुके हैं या स्थाई रूप से दूसरे राज्य अथवा जिले में प्रवासन कर रहे हैं। इन्हें डुप्लीकेट वोटर मानकर नाम काट दिया जाएगा। दावा आपत्ति की समाप्ति के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। जिला निर्वाचन कार्यालय की रिपोर्ट अनुसार जिले में 2003 की मतदाता सूची के अनुसार 10 लाख 97 हजार मतदाता थे। इसके बाद वर्तमान में मतदाताओं की संख्या 34 लाख 86 हजार 215 तक पहुंच गई। 2003 की सूची में शामिल मतदाताओं से गणना प्रपत्र पर सिर्फ दस्तखत कराया गया है। उनसे किसी प्रकार का प्रमाणपत्र नहीं लिया गया है।

संसद में चर्चा से पहले राजनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर पर किया बड़ा खुलासा, दोनों सदनों में कल जमकर होगी बहस!

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की ताकत को लेकर फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि मजबूत लॉजिस्टिक्स से हुई है। गति शक्ति विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर दुनिया को दिखा चुका है कि युद्ध में जीत-हार का फैसला हथियार नहीं, लॉजिस्टिक्स करती है। राजनाथ ने बताई जीत की असली वजह उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने वाली इस कार्रवाई में समय पर जरूरी सामान पहुंचाया गया और यही असली जीत की वजह बनी। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज के समय में युद्ध सिर्फ बंदूक और गोली से नहीं, बल्कि उनके सही समय पर पहुंचने से जीते जाते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि

सेना के अलग-अलग अंगों के लिए लॉजिस्टिक्स का मतलब अलग होता है- थल सेना के लिए हथियार, फ्यूल, राशन और दवाएं दूर-दराज इलाकों तक पहुंचाना। नौसेना के लिए जहाजों तक जरूरी पुर्जे और उपकरण पहुंचाना। वायुसेना के लिए जमीन से मिलने वाला सहयोग और लगातार फ्यूल आपूर्ति जरूरी है। क्या है पीएम गति शक्ति योजना? उन्होंने कहा कि अगर हमारे पास आधुनिक मिसाइल सिस्टम हो, लेकिन उनके जरूरी इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स समय पर न आएं तो वो तकनीक भी बेकार हो जाएगी। राजनाथ सिंह ने सरकार की पीएम गति शक्ति योजना को भी लॉजिस्टिक्स से जोड़ते हुए कहा कि यह योजना देश में सड़क, रेल, जल और हवाई मार्ग को एक साथ जोड़ने का काम कर रही है। उन्होंने छात्रों का संदेश देते हुए कहा कि जो देश अपनी लॉजिस्टिक्स चेन मजबूत रखता है वही सबसे सुरक्षित, स्थिर और सक्षम बनता है।

राज ठाकरे ने 13 साल बाद 'मातोश्री' में रखा कदम, उद्धव से मिलने के पीछे की क्या रही वजह?

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र की राजनीति में रोज एक नई हलचल देखने को मिल रही है। इस बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे करीब 13 साल बाद अपने चचेरे भाई और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के घर पहुंचे हैं। दरअसल, राज ठाकरे अपने चचेरे भाई और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का जन्मदिन मनाने के लिए मुंबई स्थित ठाकरे परिवार के आलीशान आवास मातोश्री पहुंचे। इसकी एक तस्वीर भी सामने आई है। बता दें कि साल 2012 में राज ठाकरे आखिरी बार इस आवास में आए थे, उस दौरान बालासाहेब ठाकरे का निधन हुआ था। राज ठाकरे के साथ कौन-कौन पहुंचे मातोश्री? बता दें कि राज ठाकरे के साथ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता बाला नंदगांवकर और नितिन सरदेसाई भी मातोश्री पहुंचे। इस दौरान सभी ने उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। ठाकरे ब्रदर्स ने एक साथ मातोश्री के अंदर बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। इसके अलावा एक अन्य वीडियो भी सामने

आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि उद्धव अपने परिवार के साथ जन्मदिन का केक काटते हैं। शिवसेना के कई नेता इस वीडियो में नजर आ रहे हैं। हालांकि, सामने आई इस वीडियो क्लिप में राज ठाकरे नजर नहीं आते हैं। दो दशक बाद एक मंच पर दिखे ठाकरे ब्रदर्स जानकारी दें कि करीब 2 दशक बाद ठाकरे ब्रदर्स एक मंच पर एक साथ नजर आए। इसी महीने की शुरूआत में एक रैली के दौरान राज ठाकरे और उद्धव ठाकर ने एक मंच साझा किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने राज्य की फडणवीस सरकार पर निशाना साधा। बता दें कि दोनों नेताओं की ओर से संयुक्त रूप से मराठी विजय रैली का आयोजन किया गया।

महाराष्ट्र की राजनीति में रोज एक नई हलचल देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) प्रमुख राज ठाकरे करीब 13 साल बाद अपने चचेरे भाई और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के घर पहुंचे हैं।

इसी रैली के दौरान सीएम फडवीस पर तंज कसते हुए राज ठाकरे ने कहा कि जो काम बाला साहब ठाकरे नहीं कर सके उसको देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया। बीएमसी चुनाव से पहले महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज गौरतलब है कि इसी साल मुंबई में बीएमसी चुनाव होने को है। इससे पहले ठाकरे ब्रदर्स के बीच बढ़ती इन करीबीयों से संकेत मिल रहे हैं कि दोनों भाई इस चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ सकते हैं। इससे पहले शिवसेना के यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा था कि महाराष्ट्र की जनता चाहती है कि दोनों भाई एक साथ मिलकर चुनाव लड़ें।

राजद से निष्कासित तेज प्रताप यादव का बड़ा ऐलान, निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

बिहार (एजेंसी): बिहार की राजनीति में एक नया मोड आ गया है। राष्ट्रीय जनता दल से हाल ही में निष्कासित हुए पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडेंगे। तेज प्रताप यादव वर्तमान में समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से विधायक हैं। शनिवार शाम को अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए, तेज प्रताप ने अपने इरादे साफ कर दिए। उन्होंने कहा, 'हां, इस बार मैं महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडूंगा। मेरे विरोधियों को जरूर खुजली होने लगी होगी।' उन्होंने दावा किया कि उन्हें जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है और बडी संख्या में लोग उनके 'टीम तेज प्रताप यादव' नामक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड रहे हैं, जिसके जरिए वे लोगों तक पहुंच रहे हैं। नीतीश कुमार पर साधा निशाना तेज प्रताप यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार अपना मुख्यमंत्री पद नहीं बचा पाएंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि 'चाचा' (नीतीश) मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे... जो लोग सरकार बनाएंगे, अगर वे युवाओं,

रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बात करेंगे, तो तेज प्रताप यादव उनके साथ खडे होंगे।' यह बयान बिहार की भविष्य की राजनीतिक दिशा को लेकर उनकी अपनी शर्तों को दर्शाता है। निष्कासन और पारिवारिक विवाद तेज प्रताप यादव को उनके पिता लालू प्रसाद यादव ने 25 मई को राजद से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। यह निष्कासन एक दिन पहले ही हुआ था जब उन्होंने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर अनुष्का नाम की एक महिला के साथ 'रिश्ते' में होने की बात कबूल की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने उस फेसबुक पोस्ट को यह कहते हुए हटा दिया था कि उनका पेज 'हैक' हो गया था। लालू प्रसाद ने भी तेज प्रताप के 'गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार' के कारण उन्हें त्याग दिया था। पार्टी से निष्कासन के कुछ दिनों बाद, तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि उनके और उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव के बीच दरार डालने की 'साजिश' रची जा रही है। उन्होंने अपने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर कुछ पोस्ट में अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं और इस संकट के लिए 'जयचंद' को जिम्मेदार ठहराया था, जो देशद्रोहियों का एक रूपक है। राजनीतिक भविष्य और पारिवारिक विरासत तेज प्रताप का यह निष्कासन बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हुआ है, जिसे राजद तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लडेगा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्रियों, लालू प्रसाद और राबडी देवी के घर जन्मे ये दोनों भाई राजनीति में सक्रिय नौ भाई-बहनों में से चार हैं। तेज प्रताप यादव ने 2015 के विधानसभा चुनावों में अपनी राजनीतिक शुरूआत की थी और वह दूसरी बार विधायक हैं। उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल में दो बार संक्षिप्त कार्यकाल भी निभाया है।

राजद से निष्कासित हुए तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में वैशाली की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ने की घोषणा की है। लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए

संपादकीय

सहमति से संबंध की वैध उम्र

न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सहमति से शारीरिक संबंध बनाने के लिए वैधानिक उम्र 18 वर्ष से घटा कर 16 वर्ष करने की शीर्ष अदालत से सिफारिश की है। चर्चित 'निपुण सक्सेना बनाम भारत संघ' मामले में सुप्रीम कोर्ट की सहायता करने वाली न्यायमित्र इंदिरा जयसिंह ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2012 और आईपीसी की धारा 375 के तहत 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोर एवं किशोरियों से जुड़ी यौन गतिविधियों का पूर्ण अपराधीकरण करने को चुनौती देते हुए अपनी लिखित प्रस्तुतियां दी हैं। दलील दी है कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए प्रेम संबंधों को अपराध मानता है, और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। अपनी स्थापना के पक्ष में उन्होंने जोरदार तर्क रखा है कि कानूनी ढांचा किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को गलत तरीके से दुर्व्यवहार के बराबर मानता है तथा उनकी स्वायत्तता, परिपक्वता और सहमति देने की क्षमता को अनदेखा करता है। सहमति की आयु 16 से बढ़ा कर 18 वर्ष करने को उचित ठहराने के लिए कोई तर्कसंगत कारण या अकाट? आंकड़ा भी नहीं है। इसके अलावा, यह भी ध्यान दिलाया है कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा आयु बढ़ाए जाने से पहले 70 वर्षों से अधिक समय तक आयु सीमा 16 वर्ष (शारीरिक संबंध बनाने के लिए सहमति की) ही रही थी। यह भी ध्यान दिलाया है कि आयु बिना किसी बहस के बढ़ा दी गई और ऐसा करते समय वर्मा समिति की सिफारिश की भी अनदेखी की गई। बेशक, यह सामयिक मुद्दा है, और इसे मौजूदा परिप्रेक्ष्य में ही देखा जाना चाहिए। आजकल किशोर समय से पहले ही यौवन प्राप्त कर लेते हैं, और अपनी पसंद के रोमांटिक और यौन संबंध बनाने में सक्षम होते हैं। फिर, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सव्रेक्षण के निष्कपरे के साथ ही वैज्ञानिक एवं सामाजिक आंकड़ों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए जो बताते हैं कि किशोरों में यौन रुझान असामान्य नहीं हैं। आयु संबंधी मौजूदा व्यवस्था किशोरों की सामान्य चेष्टाओं और रुझानों का अपराधीकरण करती है। यह आंकड़ा भी हतप्रभ करने वाला है कि 2017-21 के बीच 16-18 आयु वर्ग के नाबालिगों पर पॉक्सो कानून के तहत अभियोजन में 180 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जो अन्यायपूर्ण प्रतीत होता है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैंः हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते होः प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!' झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आर्नंदित होना है, उसी क्षण आर्नंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

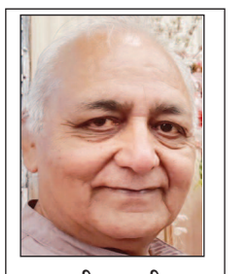

तनवीर जाफ़री

इस्राईल को लंबे समय से मिल रहे अमेरिकी संरक्षण से वैसे तो पूरी दुनिया भली भांति वाकिफ है। परन्तु अब इस अमेरिकी संरक्षण के चलते इस्राईल खासतौर से गजा में जिसतरह मानवता की लगातार बर्बर हत्या करता जा रहा है उसे देखकर दुनिया के अधिकांश देश न केवल इस्राईल के खिलाफ होते जा रहे हैं बल्कि उन्हें इस्राईल को दिया जाने वाला अमेरिकी संरक्षण भी अब रास नहीं आ रहा है। वास्तव में शांतिप्रिय मध्य एशिया में तबाही,बबार्दी व अशांति की इबारत लिखने वाला अमेरिकी संरक्षित इस्राईल ही है। 7 अक्टूबर 2023 को जब से दक्षिणी इस्राइल पर हमास द्वारा हमले किये गये और 251 लोगों को बंधक बनाया गया उसके बाद इस्राईली सेना (आईडीएफ) ने हमास की आतंकी कार्रवाई के जवाब में जिस तरह गजा पट्टी में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की और आज तक जारी है उसने इस्राईल व अमेरिका के अमानवीय चेहरे को पूरी तरह उजागर कर दिया है। गजा में बर्बरता और अत्याचार की हर सीमाओं को इस्राईल पार कर चुका है। रिहाइशी बस्तियों अस्पतालों स्कूलों शरणार्थी कैंपों धर्मस्थलों आदि को खंडहर बनाने के बाद अब भूखे निहत्थों को मार रहा है।

खबर है कि गजा में गजा ह्यूमनटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) की ओर से बांटा जा रहा खाना बहुत कम लोगों तक पहुंचने के कारण वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। कई बार ऐसी अमानवीय घटना भी घटी कि जब जीएचएफ के भोजन वितरण केंद्र पर मदद लेने के लिए भूख से तड़पते बच्चे व महिलायें भोजन की खातिर आकर लाइन में लगे उसी समय उन पर इसराइली सुरक्षा बलों ने गोलियां चला दीं जिससे दर्जनों लोग मरे गये। कई बार इस्राईली सुरक्षा बलों द्वारा भूखे शरणार्थियों को खाना देने के लिये बुलाया गया,बाद में लाइन में खड़े होने के बाद उनपर गोलीबारी कर अनेक लोगों की हत्या कर दी गई । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार पिछले दो महीनों में भोजन हासिल करने की कोशिश कर रहे एक हजार से अधिक फिलस्तीनी, इस्राईली हमलों में मारे जा चुके हैं। इनमें से कम से कम 766 लोगों की मौत उन चार वितरण केंद्रों के आसपास हुई है, जिन्हें जीएचएफ संचालित करता है। इसके अलावा 288 लोगों की मौत संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता केंद्रों के पास हुई है। सौ से अधिक सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि गजा में बड़े पैमाने पर मानव जनित भुखमरी फैल रही है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने इन हालात के लिए इस्राईल को ज़िम्मेदार ठहराया है क्योंकि वही फिलस्तीनी क्षेत्रों में भेजी जाने वाली सप्लाई को नियंत्रित करता है।

आम लोग ही नहीं बल्कि गजा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं। गजा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाजी लगाकर लाइनों में लगकर चैरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ एक बार दाल, चावल या पास्ता खा कर गुजारा करने को मजबूर हैं। कुछ पत्रकारों ने तो यहाँ तक बताया कि उन्होंने भूख दबाने के लिए नमक मिला पानी पीना शुरू कर दिया है। जरा सोचिये जिन पत्रकारों की बदौलत दुनिया को इस्राईली सेना के जुल्म और गजा के लोगों की बेबसी व बबार्दी की खबर सुनाई व दिखाई देती थी अगर वही पत्रकार व उनका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा तो अमेरिकी संरक्षित इस्राईल के काले करतूत दुनिया तक कैसे पहुंचेंगे ? इन्हीं हालात में अनेक अंतर्राष्ट्रीय राहत संगठन और मानवाधिकार समूह बड़े पैमाने पर भुखमरी फैलने की चेतावनी दे रहे हैं।

एक ओर तो इस्राईल-अमेरिका फिलिस्तीनियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले हमास को आतंकी संगठन बताकर उसकी आड़ में पूरे फिलिस्तीन पर नियंत्रण हासिल करने की फिराक में है तो दूसरी ओर यही इस्राईल-अमेरिकाअहमद हुसैन अल-शरा, जिसे अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है,को सीरिया में बशर अल असद का तख़्ता पलटकर उसे अंतरिम राष्ट्रपति बना देता है। यह वही जुलानी है जिसपर कुछ समय पहले तक अमेरिका ने दस मिलियन डॉलर का ईनाम घोषित कर रखा था। क्योंकि वह अलकायदा से जुड़ा था। 2017 में उसने अन्य कई आतंकी संगठनों के साथ मिलाकर हयात तहरीर अल-शाम ल्ळर नामक संगठन बना लिया था। अमेरिका ने ल्ळर को आतंकी लिस्ट में भी रखा था। अब अमेरिका ने उसके संगठन ल्ळर को आतंकी लिस्ट से भी हटा दिया है । गोया जो व्यक्ति अमेरिका के हर विभाजनकारी इरादों में साथ रहे वह उसके लिए आतंकवादी नहीं और जो उसके और इजरायल के खिलाफ हो या अपनी स्वतंत्र नीति रखता हो वह आतंकवादी घोषित हो जाता है चाहे वह ईरान जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र ही क्यों न हो ?

बहरहाल, अमेरिका को सर्वशक्तिमान मानने वाले व अमेरिकी रहमो करम पर जीने वाले कुछ अमेरिकी पिट्ठू देशों की शासकों व तानाशाहों की बात छोड़ दें तो पूरा विश्व खासकर मध्य एशियाई देश इस बात को समझ चुके हैं कि अब समय आ गया है कि किसी भी तरह इस्राईल को सबक सिखाया जाये और मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति दिलाई जाये। ईरान का भय दिखाकर सुन्नी शिया मतभेदों को बढ़ावा देना दरअसल अमेरिका की सुन्नी देशों के प्रति हमदर्दी नहीं बल्कि एक बड़ी चाल है जिसे मुस्लिम जगत अब बखूबी समझ चुका है। मुस्लिम जगत जुलानी की आड़ में सीरिया को बर्बाद करने की साजिश को भी समझ रहा है।परन्तु खबर यह भी है कि सीरियाई जनता भी अमेरिका इस्राईल के सीरिया के प्रति नापाक इरादों को भांप कर एकजुट होने लगी है। मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिका से मुक्त कराने के शुरूआत संकेत मिलने लगे हैं। ईरान ने गत 23 जून को कतर की राजधानी दोहा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर मिसाइलें दाग कर तथा इराक और सीरिया में भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना कर यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिकी सैन्य अड्डे मध्य एशियाई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही इराकी प्रतिरोध समूहों, विशेष रूप से कताइब हिजबुल्लाह, ने इराकी सरकार को यह चेतावनी जारी कर दी है कि वह अमेरिकी सेना को दो महीने के भीतर बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ऐन अल-असद बेस जैसे इराकी सैन्य ठिकानों, से पूरी तरह से हटने के लिए कहे। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को इस संबंध में पहले से सहमति के आधार पर कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, और अब केवल दो महीने बचे हैं। यानी सितंबर 2025 के अंत तक अमेरिका को इराक छोड़ने की चेतावनी दे दी गयी है। इस चेतावनी में यह भी कहा गया है कि अगर यह कार्रवाई समय सीमा में पूरी नहीं हुई, तो उनकी अलग राय होगी , हालांकि उन्होंने अलग राय को स्पष्ट नहीं किया।इस तरह की अनेक छोटी बड़ी घटनाओं व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही गोलबंदी को देखते हुये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि मध्य एशिया अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति के प्रयास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रेलवे ने डी डी क्यू ई एल का सफल परीक्षण किया

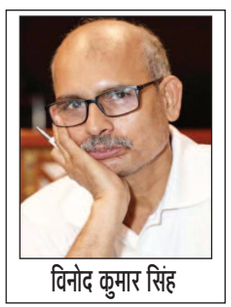

विनोद कुमार सिंह

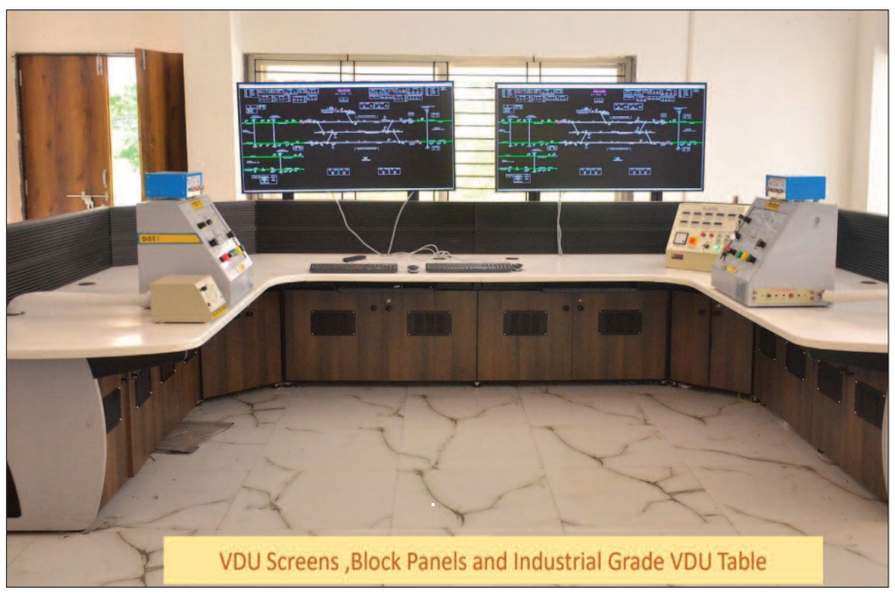

VDU Screens ,Block Panels and Industrial Grade VDU Table

भारतीय रेलवे नए तकनीकों को अपना कर विकाश के पथ पर निरंतर नया अध्याय लिख रहा है। जो भारत के अलावे दुनिया के कई देशों मे चर्चा का विषय बना हुआ है। आजकल भारत में निंमित रेल इंजन की कई देशों माँग हो रही है। वही रेलवे अपने पारम्म पारिक तकनीकी से सुधार व अनुसंसाधन कर कार्य प्रणाली को विकसित करने में लगातार प्रयासरत है। इसी श्रंखला में विगत वर्ष एक पायलट प्रोजक्ट के तहत रेलवे ने डायरेट ड्राइव क्यूसन मेक इलेक्ट्रोनिक इन्टरलाकिंग(ई एल) सिस्टम को अपनी ट्रैफिक व्यवस्था व सुरक्षा प्रणाली को लेकर परीक्षण के तौर स्थापित किया गया है। यह प्रणाली फिलहाल पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के ताजपुर स्टेशन व उतर रेलवे के जम्मु मंडल के दीनानगर देश की पहली सफल परीक्षण किया है। आपको बता दूँ कि यह नई व्यवस्था रेलवे के यातायात संचालन व सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता को विशेष रूप सें ध्यान में रख कर बनाये गए है। इस संदर्भ में पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन के आर एस मीणा,वरिष्ट मंडल सिगनल एव दूरसंचार अभियन्ता के अनुसार पुराने पैनल इंटरलॉकिंग सिस्टम को हटाकर नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। हमारे यहाँ पहली बार पारंपरिक तकनीक के स्थान पर अत्याधुनिक डायरेक्ट ड्राइव इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली को ताजपुर रेलवे स्टेशन पर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है। इस नई प्रणाली के लागू होने से पश्चिम रेलवे,डायरेक्ट ड्राइव सिस्टम को अपनाई गयी है। वहीं उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल द्वारा भी भारतीय रेलवे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। इस नए प्रणाली के लागु होने से रेलवे के संचालन में दक्षता और सुरक्षा में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। इस नई प्रणाली की सफलता को लेकर जम्मू मंडल के रेल प्रबंधक विवेक कुमार ने डायरेक्ट इन्टर लॉकिंग सिस्टम की महत्वपूर्ण विशेषताओं के बारे में कहा कि यह प्रणाली रेलवे सिग्नलिंग और पॉइंट मशीनरी को सीधे नियंत्रित करती है,जिससे मानवीय त्रुटि की संभावना कम हो जाती है। यह सिस्टन सुनिश्चित करता है कि ट्रेनों का सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित हो,जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम कम हो। इस प्रणाली की एक महत्वपूर्ण विशेषता ट्रेनों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करती है व ट्रेन संचालन की दक्षता में सुधार करती है। इस से यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव भी मिलेगा। भारतीय रेलवे इस प्रणाली को अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी लागू करने की योजना बना रही है। यह भारतीय रेलवे को आधुनिक,सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यहाँ पर आप के मन में प्रशन उठना स्वाभाविक है कि यह डायरेक्ट ड्राइव सिस्टम आखिर क्या है? मै यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ कि डायरेक्ट ड्राइव ई एल प्रणाली सिग्नलिंग गियर को सीधे नियंत्रित करती है। जो एक कंप्यूटर-आधारित प्रणाली है। जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई सिग्नल केवल तभी क्लियर हो जब ट्रेन संचालन की सभी सुरक्षा शर्तें पूरी हो चुकी हों,उदाहरण के लिए निम्न बिन्दु के माध्यम से समझने की कोशिस करते है।

ड्रसंबंधित रूट के सभी पॉइंट्स सही दिशा में सेट और लॉक हों,लाइन पूरी तरह से अवरोध मुक्त हो, ड्रूरूट में आने वाला लेवल क्रॉसिंग गेट बंद और सुरक्षित हो। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि एक समय में केवल एक ही सिग्नल उस रूट के लिए क्लियर हो जिससे परस्पर विरोधी ट्रेन संचालन रोका जा सके।

पहले की परंपरागत ईएल सिस्टम में सिग्नलिंग गियर को ऑपरेट करने के लिए अलग से रिले की आवश्यकता होती है,जबकि नए डायरेक्ट ड्राइव ई एल प्रणाली में यह सीधे गियर को नियंत्रित करता है। यह प्रणाली गियर की स्थिति को स्वतः पहचानती है,जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना नगण्य हो जाती है। चुँकि रिले एक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल डिवाइस है,इससे जुड़ी तकनीकी विफलताएँ भी डायरेक्ट ड्राइव प्रणाली में बहुत कम हो जाती हैं।

इस नए डायरेक्ट ड्राइव ई एल से तकनीकी लाभ को समझने का प्रयास करते है। इसमें ऑप्टिकल फाइबर केबल के उपयोग से पारंपरिक कॉपर केबल की आवश्यकता 60-70% तक कम हो जाती है, जिससे विद्युत तड़ित प्रभाव से सुरक्षा मिलती है। इससे रिले की संख्या भी लगभग 70% तक कम हो जाती है, जिससे रख रखाव लागत कम होती है और किसी भी फॉल्ट का पता लगाना आसान हो जाता है। इस प्रणाली में सिगनलिंग क्षेत्र में एक क्रांतिकारी तकनीक के रूप में उभर रही है। यह न केवल संरक्षा को उच्च स्तर पर सुनिश्चित करती है, बल्कि रखरखाव में भी सुगमता और लागत में कमी लाती है। आने वालें दिनों में इस प्रणाली को अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी लागू करने की योजना बना रहा है। जों रेलवे को आधुनिक,सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होने वाला है। रेलवे कें उच्च अधिकारियों का कहना है कि इस नई प्रणाली से न केवल सुरक्षा और दक्षता में सुधार होगा,बल्कि यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव भी मिलेगा।

आखिर कब समझेंगे हम प्रकृति की मूक भाषा?

पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है। प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें। जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें। प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

कंपोजिट विद्यालय अल्लीपुर खादर प्राइवेट विद्यालयों को दे रहा मात, विद्यालय में शिक्षा, सुंदरता बेमिसाल

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण स्तर पर हेडमास्टर होमपाल सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष) अहम भूमिका निभा रहे हैं। विद्यालय में यदि आप पहुंचेंगे तो कहेंगे कि यह विद्यालय तो प्राइवेट विद्यालयों को भी सुंदरता में मात दे रहा है। बल्कि सुंदरता में ही नहीं शिक्षा के मामले में विद्यालय अब नंबर वन हो चुका है। विद्यालय के अंदर छात्र संख्या 250 है और आठ अध्यापक हैं। सभी अध्यापक हेड मास्टर होमपाल सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष) के निदेर्शों का पालन करते हैं। विद्यालय में समय और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ज्ञात रहे कि सन 2009 में जूनियर स्कूल अल्लीपुर खादर में पदोन्नति होने के बाद होमपाल सिंह की नियुक्ति हुई थी। उस समय पर विद्यालय में छात्र संख्या मात्र आठ थी तभी से होमपाल सिंह ने मन में ठान लिया था कि मुझे यह विद्यालय नंबर वन बनाना है। विद्यालय को नंबर वन बनाने के

लिए उन्होंने लगातार प्रयास करना शुरू कर दिया। 2011 में हेड मास्टर की मृत्यु होने के कारण विद्यालय एकल हो गया। उसके बाद भी छात्र संख्या बढ़ाने की तरफ और विद्यालय को सुंदर बनाने की तरफ लगातार होमपाल सिंह कार्यरत रहे। 2013 में होमपाल सिंह को प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर के पद पर मनोनीत किया गया। इसके बाद से उन्होंने शिक्षा को बेहतर करने के लिए हर संभव प्रयास करते रहे। वही विद्यालय समय से अलग समय निकालकर शिक्षक राजनीति में भी उन्होंने बेहतर नाम कमाया है। समय का चक्र चलता रहा। सन 2019 में प्राइमरी और जूनियर विद्यालय को मर्ज कर दिया गया। जिस समय विद्यालय को मर्ज किया गया उस समय तक विद्यालय में छात्र संख्या 141 हो गई थी और विद्यालय के अंदर मात्र तीन अध्यापक थे। जिसके बाद प्राइमरी और जूनियर विद्यालय को मर्ज कर

दिया गया। तभी से विद्यालय का नाम कंपोजिट विद्यालय अलीपुर खादर हो गया।

गवर्नमेंट विद्यालय होने के बाद भी सुंदरता ऐसी की आंखें भी विश्वास ना करें

कंपोजिट विद्यालय अलीपुर खादर केवल शिक्षा के मामले में ही नहीं बल्कि सुंदरता के मामले में भी नंबर वन है। विद्यालय का काफी बड़ा प्रांगण होने के बाद भी विद्यालय में पेड़ पौधे और फुलवारी अच्छे तरीके से लगाई गई है। जब आप विद्यालय के मैंन गेट में प्रवेश करेंगे तो आपके विद्यालय देखकर विश्वास ही नहीं होगा कि यह विद्यालय गवर्नमेंट विद्यालय हो सकता है। विद्यालय के प्रांगण में चारों तरफ पार्क रूपी हरी भरी घास और फुलवारी देखने के लिए मिल जाएंगी। जब होमपाल सिंह नियुक्त हुए थे तब विद्यालय के अंदर कोई फुलवारी या कोई पेड़ मौजूद नहीं था लेकिन अब विद्यालय में हरियाली की चारों तरफ रौनक ही

रौनक है।

क्लासरूम और शिक्षा मैं बदलाव करने के लिए करना पड़ा होमपाल सिंह को कड़ा प्रयास

विद्यालय परिसर में बने हुए क्लासरूम भी बहुत बेहतर है विद्यालय के अंदर डेंटिंग पेंटिंग का विशेष ध्यान रखा गया है। वहीं शिक्षा के मामले में विद्यालय को बेहतर बनाने के लिए होमपाल सिंह ने हर एक कक्षा मैं अलग-अलग घंटे के हिसाब से शिक्षकों को समय दे रखा है। अलग-अलग विषय के शिक्षक सभी कक्षाओं में जाकर बच्चों को पढ़ाने का कार्य करते हैं। जिससे कि विद्यालय में शिक्षा भी अब बेहतर है।

विद्यालय की रसोई में भी बेहतर साफ सफाई का रखते हैं इंतजाम

विद्यालय परिसर में बनी रसोई में भी साफ सफाई का ध्यान रखने के लिए हर दिन होमपाल सिंह दिशा निर्देश देते रहते हैं। वह कहते हैं कि स्वच्छता बहुत जरूरी है। वही विद्यालय में अलग-अलग दिनों के हिसाब से सरकार के निर्देश अनुसार छात्र-छात्राओं के लिए खाने का प्रबंध किया जाता है। मीनू के अनुसार ही बच्चों को खाना परोसा जाता है। वह बताते हैं कि अगर उन्हें अपनी निजी तनख्वाह से भी कुछ पैसे खर्च करने पड़ जाएं तो उसमें वह पीछे नहीं हटते।

4 किलोमीटर दूर से आते हैं पढ़ने के लिए बच्चे

4 किलोमीटर दूर गांव से बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं। होमपाल सिंह बताते हैं कि विद्यालय में बेहतर शिक्षा देने के लिए हर तरीके के इंतजाम किए गए हैं। इतना ही नहीं वह कहते हैं कि जो बच्चे 4 किलोमीटर दूर से हमारे विद्यालय में पढ़ने के लिए आते हैं उनके लिए ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था भी की गई है। जिसका खर्चा वह स्वयं अपनी जेब से करते हैं विद्यालय में बच्चों को खेलने के लिए अच्छा मैदान है।

गजरौला चौपला पर किया गया कांवड़ियों के जत्थे का स्वागत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- बृजघाट से जल लेकर निकले जत्तेदारों में मुदित गुर्जर ब्लॉक प्रमुख पुत्र हसनपुर , अभिनव कौशिक जिला महामंत्री भाजपा के जत्थों सहित कांवड़ियों का गजरौला चोपला पर भाजपा नेता विपिन सागर द्वारा पुष्प वर्षा कर व फूलों की माला पहना कर स्वागत किया गया। इस दौरान कावड़ियों के लिए पानी वितरण व जलपान की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर भूपेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार, योगेश चौधरी, विजय ठाकुर, नरेंद्र ढिल्लों, संजीव कुमार, अजय सागर, महेश कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिव्यांग जनों के सशक्तिकरण हेतु 'सक्षम' संगठन सदैव तत्पर:- आशुतोष

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- नेशनल हाईवे 9 स्थित वैल्यू प्लस दिल्ली रोड पर सक्षम संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 'सक्षम' संगठन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि 'सक्षमह्य दिव्यांग क्षेत्र में कार्य करने वाला राष्ट्रीय संगठन है जो दिव्यांगजनो को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों के लिए प्रेरित करता है। मेरठ प्रान्त के पूर्णकालिक कार्यकर्ता आशुतोष ने जानकारी देते हुए बताया कि यह संगठन दिव्यांगजन के कल्याण और उन्हे आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्यरत है। संगठन का उददेश्य दिव्यांगजनों की क्षमता को पहचान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और स्वावलम्बी बनाना है। कहा कि संगठन न केवल दिव्यांगजनों के शारीरिक पुर्नवास पर जोर देता है बल्कि उन्हें सामाजिक, मानसिक और आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चला रहा है। इसके अलावा उन्होंने अमरोहा जिले में आगामी होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी।इस अवसर पर ह्यसक्षमह्य के जिला संयोजक अजय टण्डन व जिला अध्यक्ष विश्व बंधु रस्तोगी ने कहा कि संगठन का मुख्य उददेश्य समाज के विभिन्न वर्गों को संगठित करना और सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है। उन्होने ह्यसक्षमह्य का विस्तार करने के लिए जनपद में तहसील स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया ताकि लोगों को 'सक्षम' के उददेश्यों की व्यापक जानकारी प्राप्त हो सके और लोगों में सक्षम के उददेश्यों को पूरा करने हेतु जागरूकता पैदा हो। इस अवसर पर सरदार गुरविंदर सिंह ने जरूरत मन्दो को रक्तदान और नेत्र दान करने की बात कही। बैठक के दौरान वहां पर संगठन के सुबोध देवड़ा, जगदीप सिंह, दिनेश शर्मा, दीपक कुमार, पंकज मित्तल, डॉ0 ओमेन्द्र सिंह सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

द आइकॉनिक स्कूल में कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- कारगिल विजय दिवस के 26वें अवसर पर अमरोहा जिले के द आइकॉनिक स्कूल में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 1999 के कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को याद किया गया और उनकी शौर्य गाथाओं को सम्मान दिया गया। स्कूल के डायरेक्टर दीपक धारीवाल ने इस अवसर पर शहीदों के जीवन और उनके बलिदान पर प्रकाश डाला, जिसने उपस्थित सभी लोगों के दिलों को छू लिया। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। स्कूल के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने एकत्रित होकर शहीदों को नमन किया। दीपक धारीवाल ने अपने संबोधन में कारगिल युद्ध के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "कारगिल विजय दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारे वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारी आजादी और सुरक्षा उन वीरों की देन है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी।" उन्होंने कैप्टन विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे और अन्य शहीदों की वीरता की कहानियां साझा कीं, जिन्होंने दुर्गम परिस्थितियों में भी देश की रक्षा के लिए अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। कार्यक्रम में छात्रों ने देशभक्ति से भरे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। एक नाटक के माध्यम से कारगिल युद्ध की घटनाओं को जीवंत रूप से दर्शाया गया, जिसमें टाइगर हिल और तोलोलिंग की लड़ाई को चित्रित किया गया। छात्रों ने 'ऐ मेरे वतन के लोगो' और 'जरा याद करो कुबार्नी' जैसे गीतों की प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित लोगों में देशभक्ति की भावना जागृत की। इसके अलावा, एक कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने शहीदों के सम्मान में अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। दीपक धारीवाल ने अपने संबोधन में युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, "हमारी नई पीढ़ी को इन शहीदों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके बलिदान हमें सिखाते हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं माननी चाहिए। अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति ही हमें सच्ची सफलता की ओर ले जाते हैं।" उन्होंने स्कूल की ओर से शहीदों के परिवारों के लिए सहायता कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा भी की, जिसके तहत शहीदों के बच्चों को शिक्षा और अन्य सहायता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों और पूर्व सैनिकों ने भी भाग लिया। एक पूर्व सैनिक ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कारगिल युद्ध में सैनिकों ने किस तरह असंभव परिस्थितियों में भी विजय प्राप्त की। समारोह का समापन 'वंदे मातरम' के गायन और दो मिनट के मौन के साथ हुआ, जिसमें सभी ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह आयोजन न केवल शहीदों के प्रति सम्मान का प्रतीक था, बल्कि यह भी दशार्ता है कि द आइकॉनिक स्कूल सामाजिक और राष्ट्रीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

डीएम ने किया जवाहर नवोदय विद्यालय बसेड़ा तगा का औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने शनिवार देर सांय जवाहर नवोदय विद्यालय बसेड़ा तगा का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में किए गए निरीक्षण का असर साफ तौर पर देखने को मिला। इस दौरान विद्यालय को व्यवस्थाओं में सुधार देखने को मिला। जिलाधिकारी ने पूर्व निरीक्षण में बताई गई कमियों की समीक्षा की और पाया कि ज्यादातर कमियों को दूर कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों से संवाद किया और उनसे साफ सफाई, खाने की गुणवत्ता, शैक्षिक व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली, जिसपर विद्यार्थियों ने सुधार बताया। पिछली बार के मुकाबले इस बार बच्चों में अलग उत्साह नजर आया और आत्मविश्वास में वृद्धि दिखाई दी। और प्रधानाचार्य का भी परफॉर्मेंस बेहतर पाया गया। प्रकाश की बेहतर व्यवस्था के दृष्टिगत विद्युत सप्लाई की समस्या के लिए एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए। सड़क, बाउंड्री वाल, और मीटिंग रूम की समस्या का शीघ्रता से समाधान करने के निर्देश दिए। जनरेटर के पॉइंट्स कम पाए गए जिसको दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ जो छोटी-मोटी कमियां पाई गई उनको भी यथाशीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक, संबंधित अधिकारी और स्कूल स्टाफ उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीद की माता को शाल ओढ़ाकर एवं चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

जिनके लहू से रोशन है ये जमीन, उन शहीदों को मेरा शत-शत नमन जिनकी शहादत पर है यह वतन उन वीर सपूतों को मेरा शत-शत नमन

हसनपुर/ अमरोहा (सब का सपना):- कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं ने शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर परिजनों को भी सम्मानित किया। इस भावुक अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने भारत माता की जय और शहीद अमर रहें के नारे लगाए। हर किसी की आंखों में वीर सैनिकों के प्रति सम्मान और गर्व था, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। जिनकी वीरता और बलिदान की वजह से आज हम सुरक्षित हैं।इसी क्रम में हसनपुर क्षेत्र के ग्राम मेंहदी पुर में शहीद ग्रीस चंद नागर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया और शहीद की माता को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कल्यान सिंह सैनी मंडल अध्यक्ष उज्ञारी, कृष्ण कुमार शर्मा विधान सभा सहप्रभारी, विधान सभा हसनपुर, दुष्यंत सिंहसह प्रभारी नौगांवा विधान सभा , देवकी नंदन पाल डायरेक्टर चीनी मिल, वीर सिंह सैनी, अवनीश शर्मा,भानुप्रताप, विजय चौधरी, शेरपाल सिंह आदि

कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर निकाला गया कैंडल मार्च, शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना) मनोज शर्मा:- कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं एवं समाजसेवियों द्वारा एक भव्य कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च नगर के संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा से आरंभ होकर नगर पालिका परिसर स्थित स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद सरदार भगत सिंह जी की प्रतिमा तक निकाला गया। मार्च की शुरूआत बाबा साहब की प्रतिमा पर कैंडल जलाकर की गई। इसके उपरांत श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने संविधान एवं राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इसके बाद कैंडल मार्च नगर पालिका परिसर पहुंचा, जहां भगत सिंह जी की प्रतिमा पर भी कैंडल प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान पूरा वातावरण "भारत माता की जय", "वंदे मातरम्" और "शहीदों अमर रहें" जैसे नारों से गुंजायमान हो उठा। कैंडल मार्च के माध्यम से कारगिल के अमर शहीदों को याद करते हुए सभी ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए और संकल्प लिया कि वे सदैव राष्ट्र सेवा व जनकल्याण के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, नगर स्वच्छता प्रेरक प्रशांत सैनी, विधि प्रकोष्ठ संयोजक सुरमित गुप्ता एडवोकेट, आईटी संयोजक अर्पण गुप्ता, शक्ति केंद्र संयोजक विक्रांत शर्मा, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष संजय सहदेव एवं भरत लाल प्रजापति, मंडल उपाध्यक्ष सुशील भगत, जिला सदस्य सचिन गुप्ता, एनजीओ प्रकोष्ठ से संदीप गुप्ता, पूर्व मंडल महामंत्री संजय टाटा, पूर्व मंडल कोषाध्यक्ष देवेंद्र सैनी, मंडल उपाध्यक्ष सुशील भगत, शक्ति केंद्र संयोजक धर्मेंद्र सिंह एवं विजय लोधी एवं शुभम अग्रवाल, रोटरी क्लब हसनपुर अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल एवं सदस्य डॉ. योगेश चौहान, बूथ अध्यक्ष सुमित राजपूत, अरविंद अन्ना, विशाल वर्मा, राकेश सैनी, संजीव सैनी, कृष्ण कुमार सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

खंड विकास अधिकारी लोकचंद ने किया खैया माफी गौशाला का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले के जोया ब्लॉक में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) लोकचंद ने हाल ही में खैया माफी गौशाला का निरीक्षण किया। इस गौशाला में क्षेत्र पंचायत निधि के तहत अतिरिक्त शैड का निर्माण किया गया है, जिसका उद्देश्य गोवंश के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने गौशाला की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और वहां पाई गई कुछ कमियों को तत्काल ठीक करने के निर्देश दिए। यह कदम स्थानीय प्रशासन की ओर से गोवंश संरक्षण और ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जोया ब्लॉक के खैया माफी गांव में स्थित इस गौशाला का निर्माण क्षेत्र पंचायत निधि से किया गया है। इस निधि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और पशु कल्याण के लिए किया जाता है। गौशाला में अतिरिक्त शैड का निर्माण हाल ही में पूरा हुआ है, जिससे गोवंश को मौसम की मार से बचाने और उनके लिए बेहतर रहने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। शैड का निर्माण गौशाला की क्षमता को बढ़ाने और पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए किया गया है। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी लोकचंद ने गौशाला की साफ-सफाई, पशुओं के लिए चारे और पानी की उपलब्धता, और नवनिर्मित शैड की गुणवत्ता की जांच की। इस दौरान कुछ कमियां सामने आईं, जिनमें शैड के निर्माण में मामूली खामियां और रखरखाव से संबंधित कुछ मुद्दे शामिल थे। बीडीओ ने तुरंत संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को इन कमियों को ठीक करने के लिए निर्देश दिए। उनके निर्देश पर इन कमियों को तत्काल सुधार लिया गया, जिससे गौशाला की कार्यक्षमता में और सुधार हुआ। लोकचंद ने बताया कि गौशाला का उद्देश्य न केवल गोवंश की देखभाल करना है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करना है। गौशाला से प्राप्त गोबर और अन्य उत्पादों का उपयोग जैविक खेती में किया जा सकता है, जो किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि क्षेत्र पंचायत निधि का उपयोग पारदर्शी और प्रभावी ढंग से किया जा रहा है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिल सके। स्थानीय निवासियों ने बीडीओ के इस प्रयास की सराहना की है। ग्राम प्रधान और गौशाला समिति के सदस्यों ने बताया कि अतिरिक्त शैड के निर्माण से गौशाला में अधिक पशुओं को रखने की क्षमता बढ़ी है। इससे आवारा पशुओं की समस्या पर भी नियंत्रण होगा, जो किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। गौशाला में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से पशुओं का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। जिला प्रशासन ने भी इस पहल का समर्थन किया है और गौशालाओं के रखरखाव और उन्नयन के लिए नियमित निरीक्षण की योजना बनाई है। खंड विकास अधिकारी ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी गौशाला की स्थिति की निगरानी की जाएगी ताकि कोई कमी न रह जाए। यह कदम न केवल पशु कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि ग्रामीण विकास और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देने वाला भी है।

हयूमन केयर चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में लगाए गए पेड़

पेड़ों के बिना मानव जीवन संभव नहीं...फखरे आलम

सम्भल(सब का सपना):- हयूमन केयर चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सरकार द्वारा चलाए जा रहे जीवन में एक पेड़ जरूर लगाए के तहत पेड़ लगाए गए। ट्रस्ट के संस्थापक नाजिश नसीर खान ने कहा कि पेड़ हर इंसान की जिंदगी के लिए ऑक्सीजन देते हैं। इंसान भोजन के बिना तो कई दिन तक जिन्दा रह सकता है मगर ऑक्सीजन के बिना एक पल भी जिंदा नहीं रह सकता। इसलिए हर इंसान को अपनी जिंदगी में एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए, वृक्षों का कम होना मानव शरीर और स्वास्थ्य पर सीधा असर डालता है। सरायतरीन में पौधा लगाने के बाद लोगों को जागरूक करते हुए ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारी फखरे आलम ने कहा कि इंसान और पेड़ों का गहरा संबंध है। पेड़ो के बिना मानव जीवन संभव नहीं है। लेकिन लोग अपने स्वार्थ के लिए पर्यावरण को हानि पहुंचा रहे हैं। पेड़-पौधों को काट रहे हैं। पृथ्वी की गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखना जरूरी है। पेड़ों को बचाना हम सभी का दायित्व है।

मानव की बूरी आदतें जैसे पानी दूषित करना, बर्बाद करना, वृक्षों की अत्यधिक मात्रा में कटाई करना आदि पर्यावरण को बूरी तरह से प्रभावित करती है। जिसका नतीजा बाद में मानव को प्राकर्तिक आपदाओं का सामना करके भुगतना ही पड़ता है। पेड़ों के द्वारा ऑक्सीजन मिलती है पृथ्वी के संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। इस अवसर पर रिजवान खान, फखरे आलम, आजम खान, मोहम्मद आसिफ, नाजिश मियां, मुहम्मद तलहा कुरैशी, बाबू भाई आदि शामिल रहे।

वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन की जिला इकाई संभल ने मनाया कारगिल विजय दिवस

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन की जिला इकाई संभल ने भारतीय सेना के अदम्य साहस का परिचायक कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में चंदौसी नगर में स्टेशन रोड स्थित भगत सिंह मूर्ति पर वीर शहीद सेना के जवानों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष दिनेश पाल सिंह तोमर ने कहा कि यह दिन उत्सव मनाने के साथ-साथ उन वीर शहीद जवानों के प्राणोत्सर्ग को याद रखने का भी है जिन्होंने भारत मां की रक्षा के लिए अपने जीवन की आहुति खुशी-खुशी दे दी जिससे हम सभी भारतीय सुरक्षित व शांति में जीवन बिता सकें। तदुपरांत जिला अध्यक्ष आकाश कुमार ने कहा कि कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन उन सभी 527 शहीद नौजवानों और 1363 घायल सैनिकों को कोटि-कोटि विनम्र नमन करता है जिन्होंने अपने प्राणों का आहुति देकर हमको एक अभूतपूर्व जीत दिलाई थी जिसके लिए वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन सदैव उन सभी सैनिकों का सदैव आभारी रहेगा। इस दौरान डॉ डी के अग्निहोत्री , वी के त्रिपाठी ,शगुन ठाकुर, रोहित सैंजनी, भुवनेश पाल, रमेश कुमार यादव, सत्येंद्र दिवाकर, योगेश शर्मा, नीलेंद्र ठाकुर, विजय चौधरी इत्यादि कार्यकर्ता एवं दुर्गा टंडन आदि उपस्थित रही।

वैश्य एकता मंच ने कलाम साहब को नमन करते हुए पुण्यतिथि मनाई

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- रविवार को वैश्य एकता मंच चंदौसी (सम्भल) द्वारा भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति व युवाओं के प्रेरणा स्रोत भारत रत्न डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि (श्रद्धांजलि सभा) कार्यक्रम अस्थाई कार्यालय, पूर्णिमा रेस्टोरेंट के सामने, आवास विकास पर मनाया गया। वैश्य एकता मंच चंदौसी के पदाधिकारियों द्वारा डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय द्वारा कहा गया कि हमारे प्रिय, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे एक प्रेरक दूरदर्शी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, मार्गदर्शक और एक महान देशभक्त के रूप में याद किया जाता है। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण अनुकरणीय था। उनके विचार भारत के युवाओं को एक विकसित और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। महामंत्री आकाश वार्ष्णेय ने कहा कि भारत के मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की आज पुण्यतिथि पर देश उन्हें याद कर रहा है। उनके विचार आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं. कलाम के अनमोल विचार जीवन में सफलता और ऊर्जा भरते हैं। इस मौके पर अभिषेक गुप्ता, एड प्रवीण गुप्ता, महामंत्री तुषार क्रिस्टल उपाध्यक्ष दीपेश सेठ, मयंक वार्ष्णेय मीडिया प्रभारी अनमोल अग्रवाल, मंत्री सुमित वार्ष्णेय, निर्झर गुप्ता, शिवओम, अभिनव वार्ष्णेय आदि लोग उपस्थित रहे।

सचिव सचिन पाल ने अपनी ग्राम पंचायतों में उत्कृष्ट कार्य करके क्षेत्र में की मिसाल कायम

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले के विकास खंड जोया में पंचायत सचिव सचिन पाल अपनी ग्राम पंचायतों में उत्कृष्ट कार्य करके ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक मिसाल कायम कर रहे हैं। उनकी कार्यशैली, समर्पण और नवाचार ने न केवल स्थानीय लोगों का विश्वास जीता है, बल्कि ग्राम पंचायतों को विकास के पथ पर अग्रसर करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सचिन पाल की मेहनत और लगन के कारण जोया विकास खंड की कई ग्राम पंचायतें आज स्वच्छता, बुनियादी ढांचे और सामुदायिक विकास के मामले में अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। सचिन पाल ने अपनी ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया है। उनके नेतृत्व में ग्राम पंचायतों में स्वच्छता अभियान चलाए गए, जिसके तहत गांवों में सामुदायिक शौचालयों का निर्माण, नियमित सफाई अभियान और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को मजबूत किया गया। इसके अलावा, उन्होंने ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप कई पंचायतों को खुले में शौच से मुक्त (ODF) का दर्जा प्राप्त हुआ है। पंचायत सचिव के रूप में सचिन पाल ने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। उनके प्रयासों से गांवों में पक्की सड़कों, नालियों और स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था में सुधार हुआ है। इसके साथ ही, उन्होंने मनरेगा योजना के तहत रोजगार के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मनरेगा के तहत किए गए कार्यों में तालाबों का जीर्णोद्धार, पौधरोपण और जल संरक्षण परियोजनाएं शामिल हैं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक सिद्ध हुई हैं। सचिन पाल ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने ग्राम पंचायतों में स्कूलों की स्थिति को बेहतर करने के लिए स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर काम किया। स्कूलों में पेयजल सुविधा, शौचालय और डाइनिंग टेबल जैसी सुविधाओं को बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, उन्होंने स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर ग्रामीणों को मुफ्त स्वास्थ्य जांच और दवाइयां उपलब्ध कराने में मदद की। इन प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी सचिन पाल का योगदान उल्लेखनीय है। उन्होंने ग्राम पंचायतों में महिलाओं के लिए स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को प्रोत्साहित किया और उन्हें प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद की। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं अब आत्मनिर्भर बन रही हैं और छोटे-छोटे उद्यम शुरू कर अपनी आजीविका को बेहतर बना रही हैं। सचिन पाल की कार्यशैली में पारदर्शिता और जवाबदेही का विशेष महत्व है। वे ग्राम सभाओं में नियमित रूप से भाग लेते हैं और ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर त्वरित समाधान प्रदान करते हैं। उनकी यह कार्यशैली ग्रामीणों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना को बढ़ावा दे रही है। उनके कार्यों की सराहना न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि जिला प्रशासन द्वारा भी की जा रही है। जोया विकास खंड की ग्राम पंचायतों में सचिन पाल के प्रयासों से एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। उनके कार्य न केवल ग्रामीण विकास को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि अन्य पंचायत सचिवों के लिए भी एक प्रेरणा बन रहे हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि सचिन पाल जैसे समर्पित लोग ही ग्रामीण भारत के विकास की नींव को मजबूत कर रहे हैं।

व्यापार मण्डल ने विद्युत विभाग को नगर की विद्युत समस्याओं से अवगत कराया

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- व्यापारियों और विद्युत विभाग के अधिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में व्यापारियों ने अपनी विद्युत संबंधी समस्याएं और शिकायतें साझा कीं। व्यापारियों ने बिजली की अनियमित आपूर्ति, उच्च बिल, और अन्य तकनीकी मुद्दों पर चर्चा की। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वासन दिया कि वे इन समस्याओं का समाधान करने के लिए काम करेंगे। अधिकारियों ने व्यापारियों को बताया कि वे उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देंगे और जल्द से जल्द समाधान प्रदान करेंगे। बैठक में व्यापारियों ने अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे उनकी समस्याओं को हल करने के लिए एक समयबद्ध योजना बनाएं। अधिकारियों ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि वे उनकी मांगों पर विचार करेंगे और जल्द ही एक योजना प्रस्तुत करेंगे। बैठक के अंत में, व्यापारियों और विद्युत विभाग के अधिकारियों ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि वे व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए मिलकर काम करेंगे। बैठक में विद्युत विभाग के मुख्य अधिकारी अधीक्षण अभियन्ता (एक्सईएन) और सहायक अभियंता (एसडीओ) मौजूद रहे। इन अधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि वे इन समस्याओं का समाधान करने के लिए काम करेंगे। अधीक्षण अभियन्ता और सहायक अभियंता ने व्यापारियों को बताया कि वे उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देंगे और जल्द से जल्द समाधान प्रदान करेंगे।

बैठक में अरविंद गुप्ता (एमडीएच), सागर गुप्ता, प्रेम ग्रोवर, शाह आलम मुस्सूरी, पवन गुप्ता, अमित डीआर, अमोध अग्रवाल, मनोज गुप्ता, सुशील, और छोटू आदि व्यापारी मौजूद रहे।

बीमारी और उम्र का बहाना लेकर इंश्योरेंस कंपनी ने क्लेम देने से किया इनकार

उपभोक्ता आयोग ने 10 लाख रुपए बीमा धनराशि अदा करने के लिए आदेश, साथ ही लगाया 25000 का जुमार्ना

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- ग्राम रसूलपुर धतर निवासी ज्ञान प्रकाश के पिता रामचंद्र ने अपने जीवन काल में एक अपनी जीवन बीमा पॉलिसी एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से कराई थी। पॉलिसी के कुछ माह बाद उनकी मृत्यु घर पर ही हो गई तो नॉमिनी ज्ञान प्रकाश द्वारा समस्त औपचारिकता पूर्ण कर अपने पिता की मृत्यु के संबंध में बीमित धनराशि प्राप्त करने का आग्रह बीमा कंपनी से किया गया तो बीमा कंपनी द्वारा ज्ञान प्रकाश को बताया गया कि उनके पिता पॉलिसी क्रय करते समय बीमार थे। जिस कारण बीमा धनराशि अदा नहीं की जा सकती। जिस पर ज्ञान प्रकाश ने अनेकों बार बीमा कंपनी से अपना पक्ष लगाते हुए कहा की पॉलिसी क्रय करते समय उसके पिता कोई भी बीमारी से ग्रस्त नहीं थे। परंतु बीमा कंपनी ने उसकी बात नहीं सुनी तो उन्होंने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया और आप बीती बताइ पूरी बात सुनकर उनकी ओर से जिला उपभोक्ता आयोग जनपद संभल में परिवाद को प्रस्तुत किया गया। आयोग ने बीमा कंपनी को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया जहां बीमा कंपनी ने उपस्थित होकर आयोग को बताया कि उनके पिता पूर्व बीमारी से ग्रस्त थे तथा उसकी और उसके पिता की उम्र में मात्र 13 वर्ष का ही अंतर है जिस कारण बीमा धनराशि नहीं दी जा सकती। इस पर अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय द्वारा आयोग को अवगत कराया गया की बीमा धारक बीमा पॉलिसी क्रय करते समय किसी पूर्व बीमारी से ग्रस्त नहीं थे बल्कि उनकी मृत्यु घर पर ही हृदय गति रुकने से हुई थी। बीमा कंपनी जिस बीमारी का जिक्र कर रही हैं वह बीमारी उनको नहीं थी। इस संबंध में उनके द्वारा ना तो कोई भी इलाज के पेपर या बीमार होने के संबंध में कोई भी पर्चे माननीय आयोग में दाखिल नहीं किए हैं तथा उम्र के संबंध में क्योंकि जो लोग गांव में निवास करते हैं वो अपनी उम्र अंदाजे से लिखवाते है ऐसी दशा में जन्म प्रमाण पत्र न होने के कारण गांव वालों के कहने पर ही अपनी उम्र को दिखाया जाता है। जबकि ज्ञान प्रकाश की उम्र बिल्कुल सही लिखी हुई है ऐसी दशा में यदि बीमा कंपनी को इस पर आपत्ति थी तो पूर्व में आवेदन करते समय आपत्ति लगाते। अब ऐसी दशा में इस प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जा सकती। आयोग ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की बहस सुनी और अपना आदेश बीमा कंपनी को देते हुए कहा कि परिवाद बीमा कंपनी केविरुद्ध स्वीकार किया जाता है। बीमा कंपनी को आदेशित किया जाता है कि वह परिवादी को मुबलिग 10 लाख रुपए बीमा धनराशि उस पर परिवाद संस्थान की तिथि से 7% प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित अंदर दो माह में अदा करें। इसके अलावा परिवादी 20000 मानसिक कस्ट एवं आर्थिक हानि की मद में तथा 5000 बाद व्यय की मद में भी अदा करें। नियत अवधि में धनराशि अदा न करने के कारण ब्याज की दर 9% वार्षिक देय होगा।

अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल ने मनाया कारगिल विजय दिवस

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- शनिवार को अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल ने कारगिल विजय दिवस मनाया ओर देश के जवानों को नमन किया। युवा व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा की 26 जुलाई का दिन देश के बहादुर बेटों के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है। यह दिन भारतवासियों को गौरवांवित करने वाला होता है। क्योंकि इस दिन कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित करता है बल्कि भारत की जीत की खुशी को याद दिलाता है। सन- 1999 में इस तारीख को भारत और पाकिस्तान के बीच 3 महीने तक चले युद्ध का अंत हुआ था। इसमें भारत की विजय हुई थी। कारगिल युद्ध मई 1999 से जुलाई 1999 तक चला था। जिला महामंत्री प्रभात कृष्णा ने कहा कारगिल की लड़ाई में लगभग 527 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। यह युद्ध ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ा गया था, जहां तापमान -10त्ड से -20त्ड तक गिरता था। 26 जुलाई को आधिकारिक तौर पर कारगिल युद्ध की समाप्ति हुई थी। डॉ टीएस पाल ने कहा कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों की गौरवपूर्ण जीत और देश के लिए जवानों की शहादत इतिहास के पन्नों में दर्ज होकर अमर गाथा बन गई। देश को अपने जवानों के शौर्य पर गर्व है । इस दौरान अनुज वार्ष्णेय अन्नू, मयंक वार्ष्णेय चिंकल, प्रभात कृष्णा, डॉ टी एस पाल, सन्नी शर्मा, आकाश कुमार शर्मा, सुधीर गौड़, सुशील वार्ष्णेय, रिंकू जोशी, कमल कश्यप, आशीष आदि उपस्थित रहे।

अमेठी पुलिस द्वारा चोरी की 9 मोटरसाइकिलो के साथ 2 अन्तर्जनपदीय शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जनपद पुलिस द्वारा डेढ़पसार के पास संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। तभी अन्तू की तरफ से 01 मोटरसाइकिल पर 02 व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये। मोटरसाइकिल पर अपूर्ण नंबर प्लेट लगी होने के कारण पुलिस को संदिग्ध प्रतीत हुए। जिस पर पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो वह भागने लगे जिन्हें हिकमतअमली से घेर कर पकड़ लिया गया। नाम पता पूछने पर मोटरसाइकिल चालक ने अपना नाम मो0 सलमान पुत्र मो0 जमाल निवासी ग्राम ठेंगहा थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी उम्र करीब 32 वर्ष तथा पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम प्रीतम वर्मा पुत्र मुरली वर्मा निवासी ग्राम भवानीपुर तलिया थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी उम्र करीब 25 वर्ष बताया। जब पुलिस ने मोटरसाइकिल स्प्लेण्डर प्लस अपूर्ण नंबर प्लेट वढ ऊ/321 के कागज मांगे तो वह कागजात नहीं दिखा सका। पुलिस के द्वारा पूछताछ करने पर मोटरसाइकिल सवार सलमान व प्रीतम वर्मा ने बताया कि हम दोनों लोग मिलकर यह मोटरसाइकिल लगभग 15 दिन पहले मुंशीगंज रोड कस्बाअमेठी एचडीएफसी बैंक के सामने से चोरी किया था। दोनों व्यक्तियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर गहनता से पूछताछ करने पर बताया कि वह अमेठी व आसपास के कस्बों एवं पड़ोसी जनपदों रायबरेली, सुलतानपुर, प्रतापगढ़के विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिलों की

चोरियां करके थानाक्षेत्र संग्रामपुर के मल्हूपुर में उमापुर मोड़ के पास प्रीतम वर्मा की मोटरसाइकिल मरम्मत की दुकान पर ले आते हैं। जहां हम दोनों मिलकर चोरी की मोटरसाइकिलों की नम्बर प्लेट हटा देते हैं या नंबर मिटा कर, गाड़ियों के पुर्जे खोलकर अथवा काटकर अलग-अलग जगहों पर कबाड़ में बेच देतें हैं । इस मोटरसाइकिल के अतिरिक्त दो मोटरसाइकिलें व कई गाड़ियों के पुर्जे प्रीतम वर्मा की दुकान में रखे हैं। पकड़े गए अभियुक्तों की निशानदेही पर अभियुक्त प्रीतम वर्मा की दुकान से चोरी की 02 अन्य मोटरसाइकिलें, 06 मोटरसाइकिलों के विभिन्न पार्ट्स (05 अदद मोटरसाइल की टंकी, 10 शॉकर, 06 चेचिस, 04 इंजन, 10 चेनकवर, 06 साइलेंसर, 05 सीट, 04 हैण्डल, 02 मडगार्ड आदि भारी मात्रा में मोटरसाइकिलों के पुर्जों) के साथ मोटरसाकिल के पुर्जे काटने/अलग करने में प्रयुक्त 01 ग्लाइंडर मशीन व 01 बेल्डिंग मशीन बरामद हुई । दुकान से बरामद दोनों स्प्लेण्डरमोटरसाइकिलों के विषय में पूछने पर दोनों अभियुक्तों ने बताया कि एक स्प्लेण्डरकरीब डेढ़ माह पहले कस्बा गौरीगंज से तथा दूसरी स्प्लेण्डर करीब 02 माह पहले रेलवे स्टेशन गौरीगंज से चोरी किया था । इसके अतिरिक्त बरामद अन्य खुले/कटे हुए पुर्जों के विषय में पूछताछ करने पर दोनों अभियुक्तों ने बताया कि हम दोनों लोगों ने मिलकर जनपद अमेठी, रायबरेली, प्रतापगढ़ व सुलतानपुर से मोटरसाइकिलें चोरी किया था तथा बेचने हेतु मोटरसाइकिलों को खोलकर/काटकर उनके पुर्जों को अलग-अलग करके रख लिया था, यह पुर्जे व उन्हीं चुराई हुई मोटरसाइकिलों के हैं । मोटरसाइकिल चोरी के संबंध में संबंधित थानों पर अभियोग पंजीकृत हैं। खबर लिखे जाने तक बरामदगी के आधार पर पंजीकृत उक्त मुकदमों में धारा 317(2), 317(41), 336(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है एवं अभियुक्तों को गिरफ्तार कर थाना अमेठी पुलिस द्वारा कार्यवाही की जा रही थीं ।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से समाचार पत्र वितरक की मौत-

पीपरपुर/अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में समाचार पत्र वितरक सीताराम गुप्ता (45) की मौत हो गई। वह पिछले 15 वर्षों से अखबार वितरण का कार्य कर रहे थे। हादसा रविवार सुबह 8 बजे का है जब सीताराम गुप्ता रोज की तरह साइकिल से अखबार बांटकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक (एमएच 02 सीसी 6669) ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल सीताराम को तत्काल जिला अस्पताल सुल्तानपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में बाइक चालक भी घायल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है। पीपरपुर थाना प्रभारी राम राज कुशवाहा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वृद्ध आश्रम में स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा आज वृद्धाश्रम गौरीगंज में निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ पितांबर कनौजिया के द्वारा वृद्धाश्रम में आवासित 75 वृद्ध जनों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया, सभी वृद्ध जनों के शुगर, बीपी एवं आंखों की जांच की गई। बीमार वृद्ध जनों को बुखार, खांसी, कमर दर्द, गठिया, त्वचा रोग, बीपी एवं शुगर की दवाएं भी उपलब्ध कराई गई।

गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के इच्छुक 30 सितम्बर तक करें आवेदनः- अपर जिलाधिकारी

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) अर्पित गुप्ता ने बताया है कि उ0प्र0 शासन द्वारा वर्ष 2025-26 के लिये गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु पुरस्कार के मापदण्डों को पूर्ण करने वाले पात्र महानुभावों के न्यूनतम एक-एक प्रस्ताव/आवेदन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि पात्र महानुभावों द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यो का तथ्यात्मक विवरण एवं अभिलेखीय साक्ष्यों के साथ निर्धारित प्रारूप पर एक सप्ताह के अन्दर कलेक्ट्रेट कार्यालय से प्राप्त कर आवेदन 04 प्रतियों में उपलब्ध करायें एवं शासन द्वारा पुरस्कार हेतु अन्तिम तिथि 30 सितम्बर 2025 निर्धारित की गयी है। उन्होंने बताया है कि उक्त पुरस्कार हेतु आवेदक भारत का मूल नागरिक हो, उ0प्र0 राज्य की सीमा के भीतर पुरस्कार पर विचार किये जाने के वर्ष में सामान्यतया निवास करता रहा हो, मानवाधिकार, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो तथा गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के अधीन पूर्व में राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार न दिया जा चुका हो। उन्होंने बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा गुरू गोविन्द सिंह जी के जन्म दिवस (05 जनवरी) पर गुरू गोविन्द राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किये जाने व रू0 1 लाख का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिये जाने की व्यवस्था की गयी है।

आर डी एच फाउंडेशन (एनजीओ) ने दो परिवार की आर्थिक मदद

हापुड़ (सब का सपना):- आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ गरीब, कमजोर, बेसहारा परिवारों के लिए लगातार आर्थिक मदद कर रहा है रविवार को आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ परिवार ने जनपद बागपत के रहने वाले राजीव शर्मा को मकान बनाने के लिए पचास हजार रुपए देकर आर्थिक मदद की व जनपद गाजियाबाद के लोनी जवाहर नगर के रहने वाले राहुल कुमार को घर बनाने के लिए पचास हजार रू की नगद धनराशि देकर आर्थिक मदद की है।

सैनिक स्कूल अमेठी में श्रद्धा और गौरव के साथ मनाया गया कारगिल विजय दिवस-

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवालः- सैनिक स्कूल में शनिवार, कारगिल विजय दिवस पर भव्य और भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अद्वितीय पराक्रम, साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल सुनील कुमार मोर, निदेशक भर्ती, एआरओ अमेठी, ने उपस्थित होकर अपने प्रेरक संबोधन में युवा कैडेटों को अनुशासन, साहस और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सैनिकों का जीवन अनुकरणीय होता है और देश के प्रति समर्पण की भावना ही उन्हें असाधारण बनाती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल सतवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि

दी और छात्रझछात्राओं से जीवन में देशहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। प्रशासनिक अधिकारी सुधीर जाखड़ एवं संस्कृत शिक्षक व कार्यक्रम प्रभारी ने भी कैडेटों को कारगिल के वीरों से प्रेरणा लेकर जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं ने कविता पाठ, वीर शहीदों की जीवनी तथा देशभक्ति पर आधारित वक्तव्य प्रस्तुत कर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में रॅल्लि खुकरी सदन को प्रथम पुरस्कार एवं उपविजेता सदन को द्वितीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसने सभी उपस्थितजनों के मन में देशभक्ति और गौरव का भाव सशक्त रूप से स्थापित किया।

सैनिक स्कूल अमेठी में श्रद्धा और गौरव के साथ मनाया गया कारगिल विजय दिवस-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- सैनिक स्कूल में शनिवार, कारगिल विजय दिवस पर भव्य और भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अद्वितीय पराक्रम, साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल सुनील कुमार मोर, निदेशक भर्ती, एआरओ अमेठी, ने उपस्थित होकर अपने प्रेरक संबोधन में युवा कैडेटों को अनुशासन, साहस और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सैनिकों का जीवन अनुकरणीय होता है और देश के प्रति समर्पण की भावना ही उन्हें असाधारण बनाती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल सतवीर सिंह ने कार्यक्रम की

अध्यक्षता करते हुए कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी और छात्र छात्राओं से जीवन में देशहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। प्रशासनिक अधिकारी सुधीर जाखड़ एवं संस्कृत शिक्षक व कार्यक्रम प्रभारी ने भी कैडेटों को कारगिल के वीरों से प्रेरणा लेकर जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान छात्रझ छात्राओं ने कविता पाठ, वीर शहीदों की जीवनी तथा देशभक्ति पर आधारित वक्तव्य प्रस्तुत कर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में रॅल्लि खुकरी सदन को प्रथम पुरस्कार एवं उपविजेता सदन को द्वितीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसने सभी उपस्थितजनों के मन में देशभक्ति और गौरव का भाव सशक्त रूप से स्थापित किया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संग्रामपुर में शैक्षिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का किया गया आयोजन

मीना मंच कार्यक्रम और सावन गीतों से गूंजा परिसर

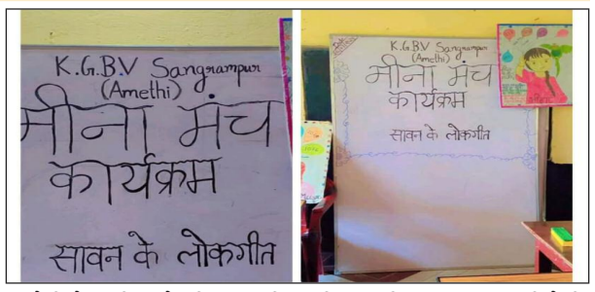

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संग्रामपुर में छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान मीना मंच कार्यक्रम भी आयोजित हुआ, जिसमें छात्राओं ने मीना नामक प्रेरणादायक काल्पनिक पात्र के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य और जीवन कौशल के महत्व को रेखांकित किया। मीना की तीन मुख्य इच्छाओं स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल, शौचालय का उपयोग और साबुन से हाथ धोने की आदत को बालिकाओं ने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में उपयोगी टोल फ्री नंबरों की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम में श्रावण मास की पारंपरिक सांस्कृतिक छटा भी देखने को मिली। कक्षा 8 की छात्रा कोमल मौर्य एवं कक्षा 7 की छात्रा श्रेया मिश्रा ने सावन के मधुर लोकगीत गाकर सभी को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर शिक्षिकाएं सीमा, मनीता यादव, मालती देवी, कविता, रीना सिंह व ज्योति मौर्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की सराहना करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी संग्रामपुर शशांक मिश्रा ने कहा कि ऐसे आयोजन बालिकाओं के आत्मविश्वास और सामाजिक समझ को बढ़ावा देते हैं।

समीक्षा अधिकारी की परीक्षा देने आये परीक्षार्थीयों को व्यापारी सुरक्षा फोरम द्वारा किया गया चाय नाश्ता का प्रबंध

व्यापारी संगठन की इस पहल की सभी कर रहे हैं सराहाना

सम्भल(सब का सपना):- समीक्षा अधिकारी की परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें सम्भल जनपद में पंद्रह केंद्र बनाए गये सम्भल नगर में एमजीएम, आचार्य मुक्तेश हकीम रईस इंटर कॉलेज को भी केंद्र बनाया गया था। परीक्षार्थियों को असुविधा न हो इसके लिए जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया ने जनसहयोग से परीक्षार्थियों के लिए चाय नाश्ते की व्यवस्था करने के निर्देश अधिकारियों को बैठक कर दिए जिसपर व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के चेयरमैन गौरीशंकर चौधरी को इओ नगर पालिका सम्भल डॉ मणि भूषण तिवारी ने परीक्षार्थियों के लिए संस्था की तरफ से चाय एवं नाश्ते की व्यवस्था करने की बात कही जिस पर गौरीशंकर चौधरी ने संगठन के सभी पदाधिकारियों के सहमति से उक्त केंद्रो पर परीक्षार्थीयों के लिए चाय नाश्ते की व्यवस्था की नगर पालिका इओ डॉ मणिभूषण तिवारी ने स्वयं उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया व्यापारियों के इस कार्य की सराहना की और कहा की व्यापारी सुरक्षा फोरम ऐसे जनहित के कार्यों में हमेशा तत्पर रहता है। इसमें व्यापारी सुरक्षा फोरम के जिलाध्यक्ष मो कासिम चैयरमेन गौरीशंकर चौधरी जिला उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, फहद कैसर, जसपाल सिंह, डॉ अजीज उल्ला खान, संगठन मंत्री नबील अहमद,युवा जिलाध्यक्ष हर्षित शर्मा,नगर अध्यक्ष शाकिर हुसैन, कोषाध्यक्ष रामकिशन ठकराल, मो अकील, मो कासिफ मिडिया प्रभारी फर्जन्द अली वारसी सिराज अहमद आदि का सहयोग रहा।

गैंगस्टर के नाम पर कारोबारी से मांगी एक करोड़ की रंगदारी, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

बाहरी दिल्ली। गैंगस्टर नवीन बाली के नाम पर एक कारोबारी से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले आरोपित को उत्तरी-पश्चिमी जिला स्पेशल स्टाफ की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित ने कारोबारी के एक सहयोगी के इशारे पर इस काम को अंजाम दिया। जो अभी पुलिस की पकड़ से बाहर है। इसके संभावित ठिकानों पर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपित के कब्जे से कारोबारी के मोबाइल नंबर की हस्तलिखित पर्ची बरामद हुई है। आरोपित की पहचान हरियाणा के सोनीपत स्थित गांव कुंडल निवासी संजय के रूप में हुई है। उत्तर पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 24 जुलाई को आदर्श नगर थाना में एक कारोबारी से एक करोड़ की रंगदारी मांगे जाने की जानकारी मिली। पीड़ित ने बताया कि उनके पास तीन जुलाई को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से धमकी भरा काल आया। आरोपित ने खुद को गैंग्स्टर नवीन बाली बताते हुए, एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। चार दिन में पैसे का इंतजाम न होने पर जान से मारने की धमकी

भी दी। कारोबारी ने पहले इस कॉल को नजरअंदाज किया। 20 जुलाई की रात एक बार फिर कारोबारी को उसी नंबर से एक और धमकी दी गई और पैसे की मांग दोहराई गई। उसके बाद पीड़ित कारोबारी ने इसकी शिकायत पुलिस से की। स्पेशल स्टाफ के निरीक्षक सोमवीर सिंह के नेतृत्व में जांच शुरू की। जांच में पता चला कि आरोपित ने हरियाणवी लहजे में धमकी दी थी। जांच के दौरान पता चला कि जिस नंबर से धमकी आई है, उस नंबर का इस्तेमाल रामपुर कुंडल गांव निवासी संजय कर रहा है। पुलिस ने आरोपित संजय को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह पहले दिल्ली के विभिन्न निजी कार्यालयों में काम कर चुका था, लेकिन वेतन से असंतुष्ट होने के कारण उसने नौकरी छोड़ दी। हाल ही में हुई जबरन वसूली की घटनाओं की खबरों और इंटरनेट मीडिया कवरेज से प्रभावित होकर उसने गैंग्स्टर नवीन बाली बनकर पैसे ऐंठने की योजना बनाई। वह कारोबारी के काम काज को देखने वाले एक सहयोगी राहुल राठी से मिला और उससे कारोबारी का नंबर लिया। फिर दोनों ने कारोबारी से पैसे वसूलने की योजना बनाई। फरार राहुल के तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

इंडिया मजलिसे इत्तेहाद उल मुस्लिम पार्टी की बैठक हुई संपन्न-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जनपद के जगदीशपुर विधानसभा रानीगंज में जिला पंचायत सदस्य के रूप में हाफिज सुल्तान वार्ड नंबर 4 के प्रत्याशी के रूप ने चयनित किया गया ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहाद उल मुस्लिम की मीटिंग में यह निर्णय लिया गया जिसमें मौजूद रहे प्रदेश अध्यक्ष पूर्वांचल हाजी इसरार साहब प्रदेश सचिव हाजी दाऊद साहब सरफराज जिला अध्यक्ष साहब सुल्तानपुर जिला अध्यक्ष अमेठी यूथ विंग तराबुल हक विधानसभा अध्यक्ष जाहिर साहब विधानसभा मीडिया प्रभारी मोहम्मद सैयाम साहब विधानसभा टिक साहब और तमाम साथी साथ पदाधिकारी मौजूद रहे। हाफिज सुल्तान ने बताया या चुनाव हम अपने लिए नही अपने क्षेत्र की जनता के विकास के लिए लड़ रहे हैं। वार्ड नंबर 4 की जनता का आशीर्वाद मिला तो वार्ड नंबर 4 की तस्वीर बदल देंगे। इस मौके पर मोहम्मद मुकीम, इरसाद अहमद ,सलमान खान ,वारिस, शाहरुख खान, अंसार, मोइन खान, सहान खान ,हाफिज शहबाज हाफिज इंजमाम व क्षेत्र के आदि लोग मौजूद रहे।

अमेठी यूथ कांग्रेस में सदस्यता अभियान लगातार तेजी से जारी

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- गौरीगंज केंद्रीय कार्यालय में जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस शुभम सिंह की अध्यक्षता में गौरीगंज विधानसभा के तीन साथियों – गौरी शंकर पांडे, शिवा द्विवेदी और शैलेश तिवारी ने युवा कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि कि वे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के संघर्ष को देखकर प्रेरित हुए हैं और हमेशा कांग्रेस परिवार और युवा कांग्रेस को मजबूती देने का काम करेंगे। जिला अध्यक्ष शुभम सिंह ने कहा कि अब अमेठी के युवाओं ने ठान लिया है कि उन्हें रोजगार चाहिए, शिक्षा चाहिए, नौकरी चाहिए। बेरोजगारी से त्रस्त युवा अब राजनीति में आकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेठी यूथ कांग्रेस का हर साथी यदि किसी भी समस्या से जूझता है, तो शुभम सिंह हर मोड़ पर उसके साथ खड़े रहेंगे। अमेठी यूथ कांग्रेस एक मंच है जहां हर युवा अपने अधिकार और भविष्य की लड़ाई को मजबूती से लड़ सकता है। इस मौके पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी शत्रुघ्न सिंह (उपाध्यक्ष), दुर्गेश प्रताप सिंह (जिला उपाध्यक्ष), रवि मौर्य (जिला महासचिव), शिवम तिवारी (ब्लॉक उपाध्यक्ष, छतोह), अमन सिंह राजपूत (सोशल मीडिया जिला उपाध्यक्ष), विनोद मिश्रा भी मौजूद रहे।

भाकियू शंकर ने चलाया जनजागरण कार्यक्रम, किसान समस्याओं को लेकर बड़ी लड़ाई की तैयारी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने किसान समस्याओं को लेकर तहसील नौगांव के मुनीमपुर, खांडसाल, फौलादपुर, जटपुरा सुमाली गांवों में जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर चौधरी धर्मवीर सिंह व इसका संचालन तहसील अध्यक्ष मा नौबहार चौहान ने किया। कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा किप्रस्तावित दूध समझौते को लेकर अमेरिका के दबाव के आगे भारत झुकता दिखाई दिया है या फिर हमारे नौकरशाहों पर "जयचन्दों की आत्माएं" काबिज हो गई लगती हैं। वे कह रहे हैं कि अमेरिका यह "सख्त प्रमाणपत्र" दे दे कि भारत को भेजा जाने वाला दूध मांसाहारी गायों का नहीं है, तो वह डील पर आगे बढ़े।ताज्जुब की बात यह है कि अमेरिका इस पर भी राजी नहीं है। अमेरिका ने भारत की डेयरी प्रमाणपत्र आवश्यकताओं को लेकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में मामला उठाया हैं अमेरिका हर हालात में चाहता है कि भारत अपने डेयरी बाजार को खोले, जबकि भारत सख्त प्रमाणीकरण नियमों पर जोर दे रहा है। इन नियमों में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि आयातित दूध उन गायों से आए जिन्हें मांस या रक्त जैसे पशु-आधारित उत्पाद नहीं खिलाए गए हों। भारत इसे धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के कारण एक महत्वपूर्ण मुद्दा मानता है. और इस मुद्दे पर कोई भी समझौता 'आसानी से' स्वीकार्य नहीं होगा। यह प्रथमद्रष्टया आधिकारिक भारतीय पक्ष है। दूसरी दृष्टि से भारत के नौकरशाह दबाव में आते दिख रहे हैं। शायद, दोनों देशों की नौकरशाही मिलकर यह साजिश कर रही है कि जनता को दिखाने के लिए "टकराव" का मुद्दा ही बदल दो। दूध की बजाए प्रमाणपत्र देने या न देने को एक दूसरे की हार जीत के रूप में प्रदर्शित कर दो। और यही खेल शुरू हो गया है। जाहिर है, एक दो बैठकों के खेल के बाद अमेरिका यह प्रमाणपत्र दे ही देगा, क्योंकि उसे तो येन केन प्रकरेण भारतीय डेयरी और कृषि बाजार कब्जाना ही है। इसमें अपने आपको देशभक्त दिखाये रखने के लिए भारतीय पक्ष ने जनता के साथ मनोवैज्ञानिक रूप से भी खेलना शुरू कर दिया है। समझौते के बाद वे कहेंगे कि देखिये हम अमेरिका के आगे नहीं झुके हैं, बल्कि अमेरिका को हमारी शर्तों के आगे झुककर " सख्त प्रमाणपत्र " देना पड़ा, तब हमने दूध समझौता किया है। हमने अपनी धार्मिकता पर आंच नहीं आने दी है। यानी कि भारत और किसानों की बबार्दी का रास्ता भी विजेता भाव और जश्न के साथ खोलने की तैयारी है। बाकी काम तो गोदी मीडिया कर ही देगा, इसे अमेरिका पर भारत की कूटनीतिक जीत बताकर इतना वायरल किया जाएगा, कि रोजाना डेढ़ जीबी डेटा खत्म करने का परिश्रम करने वाली लाखों बेरोजगार की फौज इस जीत के जश्न में पूरे देश और किसानों को मदहोश करके रखेगी। और, जब तक होश आएगा, तब तक अमेरिका का दूध कोका कोला, मैगी आदि की तरह भारत की गलियों में परचुनों की दुकानों पर बिक रहा होगा। इसके कुछ ही दिनों बाद उन्हीं दुकानों पर सुअर और गाय के मांस वाला दूध भी आएगा ही, जिसके पैकेट पर केक या बिस्कुट की तरह एक लाल निशान होगा, जिसका कागजों में तो अर्थ होगा कि यह मांसाहारी दूध है, लेकिन कागज पढ़ने या लाल निशान को देखने की फुर्सत या जरूरत किसे होगी, जब मोटी मलाई वाला दूध आकर्षक पैकिंग में कुल 32 रुपये लीटर मिल रहा होगा और जिसका मीडिया-टेलीविजन पर धुआंधार प्रचार अमिताभ बच्चन, सचिन तेंदुलकर जैसे महान लोग यह कहते हुए कर रहे होंगे कि "स्वस्थ गाय का वैक्टीरिया रहित पवित्र दूध" ही पीजिये। हो सकता है, पवित्रता दिखाने के लिए हेमामालिनी या माधुरी दीक्षित उस दूध से शिव की मूर्ति पर दुग्धाभिषेक भी करती हुई टीवी पर प्रचार करें। तब हमारी सारी धार्मिकता और देशभक्ति वैसे ही अमेरिका में जाकर मुजरा कर रही होगी, जैसे दिवाली-होली पर चीन में जाकर करती है। रोशनी यहां होती है, लेकिन जगमगाता चीन है, हमारे कुम्हार अंधेरे में बैठे रह जाते हैं। तय मानिए, किसानों का भी यही हाल होने जा रहा है, जो कुम्हारों का हो गया है। न गाय-बैल बचेंगे, न खेती, न धर्म, न सँस्कृति। तुर्की देख लीजिए या वे अफ्रीकन देश जहां-जहाँ गोरों का व्यापार फैला है, वहाँ-वहाँ सांवले-काले लोग गुलामी ही करते रहे हैं। और, यह गुलामी इतने लंबे काल की होगी। जिला अध्यक्ष नेमपाल सिंह ने कहा कि जनपद में चकलीलेट पर सरकार के द्वारा कंटेनर डिपो का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। इस योजना में करीब 480 बीघा जमीन किसानों से ली जानी है ओर जिला प्रशासन के द्वारा इन जमीनों का मुआवजा मात्र 8 लाख रुपये प्रति बीघा दिए जाने की बात कही जा रही है जोकि बहुत ही कम है। जबकि बाजारी रेट 20 से 25 लाख रुपए प्रति बीघा है। हमारा संगठन मांग करता है कि किसानों को कम से कम 20 लाख रुपये प्रति बीघा का मुआवजा व एक व्यक्ति को योग्यता के आधार पर नौकरी दिलाई जानी चाहिए। चीनी मिलें किसानों का लगभग 55 करोड रुपया दबाए बैठी हैं गन्ना विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ बैंकों में किसानों के केसीसी नवीनीकरण नहीं हो पा रहे हैं ओर ना ही उनकी लिमिट 5 लाख की जा रही है । विगत वर्ष की केसीसी की सब्सिडी भी नहीं दी गई है,समय रहते यदि समस्याओं का समाधान नहीं होता तो संगठन काफूरपुर रेलवे स्टेशन पर बड़ा आंदोलन व धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें वन विभाग के अधिकारी, कंटेनर डिपो के परियोजना अधिकारी, लीड बैंक अधिकारी अमरोहा, क्षेत्रीय मैनेजर उत्तर प्रदेश सहकारी बैंक अमरोहा, अर्पण आनंद एचआर हेड, एसपी तोमर यूनिट हेड वेव शुगर मिल धनौरा से वार्ता की जाएगी। आज विक्रम पवार, जगत सिंह चौहान, राकेश, रवि कुमार, अरुण चौहान, संजीव चौहान रतनपुर सुरेंद्र फौजी जविंदर सिंह डॉ गोपाल चौधरी राजपाल सिंह समरपाल सिंह कपिल कुमार रोहित कुमार विदिशा चौहान, चंद्रशेखर आदित्य हरपाल शिवराज डालचंद सुभाष चंद जगबीर सिंह,सोनू चौधरी सैकड़ो की संख्या में किसान मौजूद रहे।

गजरौला में बेबी भुल्लर के सिर पर सजा तीज क्वीन का ताज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- में तीज के त्यौहार के अवसर पर विक्टरी वॉइस संस्था की ओर से आयोजित तीज महोत्सव कार्यक्रम के दौरान बेबी भुल्लर को तीज क्वीन चुना गया। शनिवार की देर शाम एक होटल में आयोजित हरियाली तीज के महा उत्सव कार्यक्रम में महिलाओं ने खूब मौज मस्ती की। इस दौरान निर्णायक भूमिका में बीते वर्ष की तीज क्वीन लीना प्रभाकर रही।वहीं रविवार की शाम को गजरौला में महिला अग्रवाल सभा के तत्वाधान में बस्ती स्थित अग्रवाल भवन में भी तीज महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें गजरौला की बेबी भुल्लर को इस वर्ष की तीज क्वीन चुना गया। इस दौरान कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं के चेहरों पर खुशी का माहौल देखने को मिला। यह जानकारी क्लब की अध्यक्ष विनीत गर्ग ने दी है।

वार्ष्णेय महिला उत्थान समिति ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- वार्ष्णेय महिला उत्थान समिति (रजि.) उ.प्र. द्वारा प्राकृतिक चिकित्सालय कैथल गेट पर हरियाली तीज का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सामाजिक कार्य में अग्रणी वार्ष्णेय महिला उत्थान समिति सामाजिक, धार्मिक कार्यों के साथ-साथ मनोरंजन कार्यों में भी हमेशा बढ़कर भाग लेती है। महिलाओं का यह त्यौहार माता पार्वती की पूजा का त्योहार भगवान शिव की पूजा का यह सावन महीना बड़ा मनभावक और रिमझिम फुहार का महीना है। इस सावन के महीने में स्त्रियां अपना प्रिय त्यौहार तीज को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाती है। उत्थान समिति ने भी तेज उत्सव पर महिलाओं के डांस, हाउजी, गेम, गेम की दुकान और तीज क्वीन का सलेक्शन, सभी कुछ मनोरंजन कार्यक्रम समिति के सदस्य द्वारा रखे हैं। तीज क्वीन सलेक्शन सरप्राइज रूप में किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदेश अध्यक्ष वीनेश वार्ष्णेय, प्रदेश महासचिव प्रतिभा चौधरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉ सोनल वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष रीना चौधरी, मोनिका टनाटन, पूजा वार्ष्णेय, अनुराधा, बीना, गीता, सीमा, खुशी, गुंजन, प्रियंका, सविता, मधुपमा, सुधा, लता, महिमा, पूनम, रागिनी, श्रुति, रचना, वर्षा आदि का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट प्रीतिभोज के साथ किया गया।कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महासचिव प्रतिभा चौधरी ने किया।

गजरौला ब्लॉक प्रमुख के आवास पर सुना गया मन की बात कार्यक्रम का 124 वां एपिसोड

संवाददाता/कविन्द्र सिंह,धनौरा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी के आवास पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात का 124 वां एपिसोड बड़े ही ध्यान पूर्वक सुना गया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 124वां एपिसोड गजरौला ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी के टीचर्स कॉलोनी स्थित आवास बूथ नंबर 226 पर सुना गया। इस अवसर पर वहां गजरौला ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी सहित भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष गिरीश त्यागी, जिला महामंत्री पूरन सिंह सैनी, राकेश वर्मा, चंद्रभान भाटी, जिला उपाध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह ,कृष्ण कुमार जाटव, पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष एडवोकेट मनमोहन सिंह सेन ,करण सिंह सैनी, नितिन चौहान, लकी चौहान ,बब्बू, शुभम आदि लोग मौजूद रहे।

भारतीय मानव कल्याण समिति ने व्यक्त की शोक संवेदनाएं

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- भारतीय मानव कल्याण समिति के विनायक मार्ग स्थित कार्यालय पर एक बैठक आयोजित की गई ।जिसमें हरिद्वार में भगदड़ का शिकार हुए श्रद्धालुओ के लिए शोक संवेदनाएं व्यक्त की गई।समिति प्रबन्धक डॉ टीएस पाल ने बताया कि रविवार को हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर अचानक भगदड़ मच गई। इस हादसे में छह लोगों की मृत्यु हो गई।पवित्र श्रावण मास होने के कारण रविवार को मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे।उसी दौरान अचानक भगदड़ मच गई,जिसमें दो दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल भी हो गए है। बैठक के अंत मे दो मिनट का मौन धारण करके मृतकों की आत्मा शांति एवम घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से प्रार्थना की गयी। इस दौरान डॉ टीएस पाल, आकाश कुमार शर्मा, ओमप्रकाश गुप्ता, राजेश पाल, मुनीश वार्ष्णेय, जयशंकर दुबे, राजेश कुमार गुप्ता, रोशनलाल, सुशील वार्ष्णेय, मोहित कुमार, अशोक आदि उपस्थित रहे।

बरनवाल महिला शक्ति सेवा समिति ने मनाई हरियाली तीज महोत्सव

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- बरनवाल महिला शक्ति सेवा समिति द्वारा आयोजित हरियाली तीज महोत्सव सीता रोड स्थित छोटू महाराज रेस्टोरेंट में परंपरा, सौंदर्य और सामाजिक चेतना का जीवंत प्रतीक बनकर संपन्न हुआ। चंदौसी नगर की वरनवाल समाज की प्रतिष्ठित महिलाओं की उपस्थिति में यह आयोजन नारीशक्ति, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक सहभागिता का भव्य उदाहरण बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सचिन गुप्ता एवं अभिषेक कुमार गुप्ता जी द्वारा मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन करके किया गया। समिति की अध्यक्ष डॉ. दुर्गा टंडन बरनवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि तीज का पर्व नई आस्था और आत्म बल का उत्सव है।यह श्रृंगार का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय नारी के आत्मबल, प्रेम और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने तीज की पौराणिक कथा का उल्लेख करते हुए बताया कि यह पर्व माता पार्वती द्वारा भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने हेतु किए गए कठोर तप और पुनर्मिलन की स्मृति में मनाया जाता है, जो आज भी नारी आस्था और शक्ति का प्रेरणास्रोत बना हुआ है।कार्यक्रम में पारंपरिक लोकगीतों, सावन की मल्हार,झूलों, वेशभूषा प्रदर्शन, सांस्कृतिक नृत्यों के साथ-साथ एक मिनट गेम्स और हाउजिंग (तंबोला) जैसी रोचक प्रतियोगिताओं ने समां बाँध दिया। प्रतिभागी महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला, और विजेताओं को सम्मानपूर्वक स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। इस आयोजन को विशिष्ट स्वरूप प्रदान करने में श्रीमती सुनैना सचिन गुप्ता छोटू महाराज रेस्टोरेंट स्वामिनी का प्रमुख योगदान रहा। उन्होंने इस तीज महोत्सव को प्रायोजित कर न केवल आयोजन की गरिमा बढ़ाई, बल्कि नारी सशक्तिकरण व सांस्कृतिक सरोकारों के प्रति अपनी सजग प्रतिबद्धता भी प्रकट की। समिति की ओर से उनके प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक व्यंजनों के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। समिति की समर्पित सदस्याओं की सक्रिय भागीदारी और कुशल आयोजन व्यवस्था ने इस पर्व को नगर के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक अविस्मरणीय अध्याय के रूप में अंकित कर दिया। कार्यक्रम में डॉ दुर्गा टंडन, तुलिका गुप्ता, आयुषी गुप्ता, सोनी गुप्ता, कुसुम लता बरनवाल, सुनैना गुप्ता, सेजल, सुबोध गुप्ता, राखी गुप्ता, स्वाति गुप्ता, वर्षा गुप्ता, खुशबू गुप्ता, मोनिका, उपासना, प्रियंका, दिव्या, मोनिका, प्रियंका गुप्ता, वर्षा, शालिनी, दीप्ति, आरती, शीलू, रागिनी आदि महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

दिल्ली में स्कूल के शौचालय में सहपाठी से कुकर्म के आरोप में नाबालिग को पकड़ा, पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के एक स्कूल के शौचालय में 14 वर्षीय एक लड़के के साथ उसके सहपाठी द्वारा कुकर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए कुकर्म के आरोप में आरोपित सहपाठी को पकड़ लिया गया है। पीसीआर को दी गई थी सूचना पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पुलिस को 24 जुलाई को शाम करीब 4.43 बजे इस घटना के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली थी। कॉल करने वाले ने बताया कि लड़के के साथ उसके एक सहपाठी ने कुकर्म किया है। सूचना मिलते ही एक टीम तुरंत स्कूल के लिए रवाना हुई, लेकिन दोनों बच्चों के माता-पिता खुद उन्हें पुलिस स्टेशन ले आए। पीड़ित बच्चे के लिए काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए और उसकी मेडिकल जांच भी कराई गई। मेडिको-लीगल सर्टिफिकेट से पुष्टि डॉक्टर से मेडिको-लीगल सर्टिफिकेट मिलने के बाद, पुलिस ने पुष्टि की कि लड़के के साथ कुकर्म हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, लड़के को दर्द हो रहा था और जब माता-पिता ने उससे पूछा, तो उसने आपबीती सुनाई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और सहपाठी को पकड़ लिया है। वहीं, पुलिस घटना के बारे में स्कूल से भी रिपोर्ट मांगेगी।

15 दिवसीय महाशिवपुराण कथा के सातवें दिन हरियाली तीज का किया गया वर्णन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में बाबा लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के महंत एवं महाशिवपुराण कथा के सातवें दिवस के अवसर पर कहा कि .हरियाली तीज, जिसे श्रावणी तीज भी कहा जाता है। यह एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है जो भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार सावन (श्रावण) के महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हरियाली तीज विवाहित और अविवाहित महिलाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जो अपने पति की लंबी उम्र और अच्छे वैवाहिक जीवन के लिए प्रार्थना करती हैं। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी और इस दिन भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। गांव के सभी माताएं बहनों ने मिल कर अलग अलग तरह की मल्हारे का गुणगान करके हरियाली तीज का पावन त्यौहार मनाया। इस अवसर पर स्वामी प्रवेश मुनि महाराज, कमलेश मुनि धर्म मुनि,राम मुनि, सुन्दर मुनि, ऋषिपाल भगत, यश वशिष्ठ, ढोलक वादक, राजकुमार वास्तव, वीरमपुर, सोनू चौहान, पुष्पेन्द्र, सर्वेश मुनि, सत्यवीर सिंह, लवकुश कुमार, महिपाल शर्मा, रघुवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, दीपक, रोताश, राकेश, धर्मेंद्र, रक्षपाल सिंह,राजू प्रधान, योगेन्द्र चौधरी, विजयेंद्र सिंह, बलवंत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

पंजाब के थाने पर ग्रेनेड से हमला करने में शामिल एक और आतंकी गिरफ्तार, अब तक 9 को पकड़ा गया

नई दिल्ली। पंजाब के किला लाल सिंह थाने पर ग्रेनेड से हमला करने के मामले में वांछित एक और आतंकी कारणबीर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। सात अप्रैल को कारणबीर और अन्य आतंकियों ने गुरदासपुर जिले किला लाल सिंह थाने पर ग्रेनेड से हमला कर दिया था। इस मामले में अब तक 9 आतंकियों को पंजाब पुलिस और दिल्ली पुलिस गिरफ्तार कर चुकी हैं। करणबीर गुरदासपुर का रहने वाला है। दिल्ली में अवैध हथियारों की तस्करी के मामले में वह पिछले 22 सालों से वांछित था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, बीकेआई के एक अन्य सहयोगी को इसी तरह के मामले में विशेष सेल ने गिरफ्तार किया था।

इश्के रसूल के बिना जिंदगी मुकम्मल नहीं हो सकती:- मौलाना साबिर रजा

नौगांव सादात/अमरोहा (सब का सपना) शसिंह सैनी:- आजखना जमीरून निसा में 28 मोहर्रम से 3 सफर तक सालाना मजलिस-ए-अजा खमसा का मुनाकिब किया जा रहा हैं जिसमे वही महोर्रम के 29वें दिन और सालाना मजलिस-ए-अजा खमसा की दूसरी का मुनाकिब किया गया। जिसमें हजरत हजरत मोहम्मद सल्लूलाहो अलैही वसल्लम को याद किया गया। आयोजित की गई मजलिस को मौलाना साबिर रजा झारखण्ड और मास्टर हसनैन साहब वह उनके हमनावा ने मरसिया पढ़ा।, मौलाना ने फरमाया की इस्लामे मजहब के बानी हजरत मोहम्मद सल्लूलाहो अलैही वसल्लम का मर्तबा सिर्फ अल्लाह ही जानता है। हुजूर के बताए रास्तो पर चलने में ही कामयाबी व कामरानी है। उन्होंने कहा कि रसूल से सच्ची मुहब्बत ही दीन हक के शर्ते अव्वल है। इश्के रसूल के बिना जिंदगी मुकम्मल नहीं हो सकती। उनको माने के साथ-साथ उनकी बताई बातों पर भी अमल करना जरूरी हैं अगर नबी नहीं होते तो दुनिया मे कुछ भी नहीं होता। रसूल अल्लाह के सदके में ही हमें सबकुछ मिला है। दुनिया को बता दिया की नमाज की अहमियत क्या हैं इल्म से जोड़ने का और इल्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने पर जोर दिया। मौलाना ने कहा कि पूरी दुनिया में ऐसी कोई जंग नहीं हुई, जिसमें मासूम बच्चों को शहीद किया गया हो। उन्होंने कहा कि कर्बला की ही ऐसी जंग थी, जिसमें मासूम बच्चे और बीमार शामिल हुए। पूरी दुनिया के इंसानों के लिए यह एक पैगाम था कि कर्बला में सही और गलत के बीच की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि हजरत इमाम हुसैन के 6 माह के बेटे हजरत अली असगर को भी इस जंग में शहीद कर दिया गया था। पूरी दुनिया में किसी भी जंग के दौरान इतना जुल्म नहीं हुआ जितना हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों पर हुआ। मजूदा सभी लोगो की आंखे नम हो गई। 1400 साल बीत जाने के बाद भी आज हम हजरत इमाम हुसैन को और उनके पूरे परिवार को याद कर रहे हैं, जो कर्बला में शहीद हुए हैं।

एशिया कप से बीसीसीआई नहीं हट सकता, भारत-पाक मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार होगा : सूत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से हट नहीं सकता और एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) की बैठक में भारतीय बोर्ड द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा।

ACC ने शनिवार को एशिया कप का कार्यक्रम जारी किया और पुष्टि की कि भारत और पाकिस्तान के बीच लीग चरण का मुकाबला 14 सितंबर को होगा क्योंकि उन्हें मेजबान UAE और ओमान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। BCCI सूत्रों ने बताया, 'BCCI अभी टूर्नामेंट या मैच से हट नहीं सकता। इष्ट की बैठक के बाद इस फैसले पर सहमति बनी थी। चूंकि भारत मेजबान देश है, इसलिए इस समय कुछ भी नहीं बदला जा सकता। आधिकारिक स्तर पर चर्चा हुई और उसके अनुसार परिणाम तय किया गया। मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा।'

युवराज सिंह की अगुवाई वाली भारतीय चैंपियन टीम द्वारा बर्मिंघम में चल रहे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दूसरे सीजन के दौरान पाकिस्तान चैंपियन के खिलाफ खेलने से इनकार करने के बाद भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। इसके कारण आयोजकों ने मैच रद्द कर दिया। खिलाड़ियों ने यह फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े राजनीतिक तनाव के मद्देनजर लिया है। हालांकि एशिया कप के कार्यक्रम की घोषणा के बाद BCCI ने अभी तक इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान के बहिष्कार पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

महीनों की अटकलों को खत्म करते हुए ACC अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को एशिया कप के 17वें संस्करण की तारीखों की आधिकारिक घोषणा की। यह टूर्नामेंट 2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों के अनुरूप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा और इतिहास में पहली बार इसमें आठ टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और पाकिस्तान को मेजबान यूएई और ओमान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, हांगकांग, अफगानिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।

प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष टीमें सुपर फोर चरण में पहुंचेंगी जिसके बाद फाइनल होगा जिससे

टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मुकाबलों की संभावना बढ़ गई है। 2023 संस्करण के फाइनल में श्रीलंका को हराकर भारत गत विजेता है।

एडम जम्पा ने सैंटनर की बराबरी की, टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल

बैसेटेरे (सेंट किट्स एंड नेविस) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा ने न्यूज़ीलैंड के मिशेल सैंटनर की बराबरी कर ली है और अब तक के सबसे ज़्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बना ली है। जम्पा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बैसेटेरे में चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान रैंकिंग में यह बढ़त हासिल की। अपने चार ओवर के स्पेल में जम्पा ने चार ओवर में 54 रन देकर तीन विकेट लिए।

अब तक 99 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जम्पा ने 21.14 की औसत से 124 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/19 रहा है। दूसरी ओर, सैंटनर ने 114 मैचों में 22.57 की औसत से 124 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/11 रहा है। वे दोनों इस प्रारूप में संयुक्त रूप से 10वें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

शीर्ष तीन टी20आई विकेट लेने वाले गेंदबाजों न्यूजीलैंड के टिम साउथी (126 मैचों में 22.38 की औसत से 164 विकेट, 5/18 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ), अफगानिस्तान के राशिद खान (96 मैचों में 13.80 की औसत से 161 विकेट, 5/3 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ) और न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी (126 मैचों में 22.52 की औसत से 150 विकेट, 4/12 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ)। हैं।

मैच की बात करें तो वेस्टइंडीज के 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन (नाबाद 55, 35 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) और

इंग्लिस (51 रन, 30 गेंद, 10 चौके, एक छक्का) की पारियों की बदौलत 19.2 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की ओर से जेडिया ब्लेड्स ने 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

वेस्टइंडीज ने इससे पहले 9 विकेट पर 205 रन बनाए लेकिन उसकी तरफ से कोई बल्लेबाज टिककर बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मेजबान टीम के चार बल्लेबाजों ने 20 रन के आंकड़े को पार किया जिसमें शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, और सीन एबट ने दो-दो जबकि एडम जंपा ने तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पारी की दूसरी ही गेंद पर मिचेल मार्श (00) का विकेट गंवा दिया जिन्हें ब्लेड्स ने पगबाधा किया। इंग्लिस ने इसके बाद सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (47) के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 और ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। ग्रीन ने आरोन हार्डी (23) के साथ भी छठे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

ग्रीन और इंग्लिस के अर्धशतक, ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

बासेटेरे (सेंट किट्स) (एजेंसी)। कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने यहां चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 4-0 की बढ़त बना ली।

वेस्टइंडीज के 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन (नाबाद 55, 35 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) और इंग्लिस (51 रन, 30 गेंद, 10 चौके, एक छक्का) की पारियों की बदौलत 19.2 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की ओर से जेडिया ब्लेड्स ने 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज ने इससे पहले 9 विकेट पर 205 रन बनाए लेकिन उसकी तरफ से कोई बल्लेबाज टिककर बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मेजबान टीम के चार बल्लेबाजों ने 20 रन के आंकड़े को पार किया जिसमें शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, और सीन एबट ने दो-दो जबकि एडम जंपा ने तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पारी की दूसरी ही गेंद पर मिचेल मार्श (00) का विकेट गंवा दिया जिन्हें ब्लेड्स ने पगबाधा किया। इंग्लिस ने इसके बाद सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (47) के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 और ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। ग्रीन ने आरोन हार्डी (23) के साथ भी छठे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

शुभमन गिल का मैनचेस्टर में बेहतरीन शतक, ब्रैडमैन-गावस्कर के क्लब में की एंट्री

मैनचेस्टर (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल का इंग्लैंड में एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है। उन्होंने रविवार को इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक ठोका है। गिल ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में संयम के साथ बैटिंग करते हुए 238 गेंदों में 103 रन बनाए। उन्होंने 12 चौके लगाए। पांचवें दिन लंच ब्रेक से पहले पेसर जोफ्रा आर्चर का शिकार बने। ये 25 वर्षीय बल्लेबाज के टेस्ट करियर की नौवीं सेंचुरी है। गिल मैनचेस्टर के मैदान पर टेस्ट सेंचुरी जड़ने वाले 9वें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 35 साल का शतकीय सूखा समाप्त किया है। दरअसल, गिल से पहले मैनचेस्टर में शतक जड़ने वाले भारतीय प्लेयर सचिन तेंदुलकर थे। सचिन ने 1990 में यहां इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 189 गेंदों में 17 चौकों की बदौलत नाबाद 119 रन बनाए थे। ये महान बल्लेबाज सचिन के करियर का पहला टेस्ट शतक था।

ब्रैडमैन-गावस्कर के क्लब में की एंट्री

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में चौथी शतकीय पारी खेली है। उन्होंने सर डॉन ब्रैडमैन और सुनील गावस्कर के धाकड़ क्लब में एंट्री मारी है। गिल बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा चार शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज ब्रैडमैन ने 1947/48 में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार शतक जमाए। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ऐसा किया।

कोहली की बराबरी

गिल एक टेस्ट सीरीज में भारत के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले प्लेयर बन चुके हैं। उन्होंने गावस्कर और विराट कोहली की बराबरी की है। गावस्कर ने 1971 और 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चार-चार शतक लगाए थे। वहीं, स्टार बल्लेबाज कोहली ने 2014/15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में इतने सेंचुरी लगाई थीं। गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 700 प्लस रन बनाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

गावस्कर बोले टीम शुभमन की , इसलिए वे ही लें चयन पर अंतिम फैसला

लंदन । भारतीय टीम के पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अंतिम ग्यारह के चयन का पूरा अधिकार कप्तान शुभमन गिल के पास होना चाहिये न कि कोच गौतम गंभीर के पास। गावस्कर ने कहा कि टीम कप्तान की होती है कोच की नहीं। इसलिए कप्तान की राय सबसे अहम होती है। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद कई लोगों ने नई भारतीय टेस्ट टीम को गंभीर की टीम करार दिया, जबकि चयनकर्ताओं ने शुभमन को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया था। इससे सवाल ये भी उठ रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कप्तान की पकड़ है या कोच हावी हैं? टेस्ट के चौथे दिन जब, गावस्कर से सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या यह भारतीय टीम शुभमन या गंभीर की है। इसपर गावस्कर ने कहा कि उन्हें अपनी कप्तानी के दिनों में कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा, क्योंकि उस समय कोई मुख्य कोच नहीं था। इसकी जगह पर उन्होंने प्रबंधकों या सहायक प्रबंधकों से सुझाव मांगे, जो अक्सर पूर्व खिलाड़ी होते थे। गावस्कर ने कहा, हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही मैनेजर या सहायक मैनेजर के तौर पर थे। वे ऐसे लोग थे जिनके पास जाकर आप बात कर सकते थे, लंच के समय, दिन के खेल के अंत में या मैच से पहले और वे केवल अपनी सलाह देते थे, फैसला हमें लेना होता था। इसलिए, मेरे लिए कप्तान और कोच के संयोजनप को समझना कठिन है। जब मैं कप्तान था, तब हमारे पास कोई भी पूर्व खिलाड़ी नहीं था।

करुण को इस कारण चौथे टेस्ट में शामिल नहीं किया गया : कोटक

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज करुण नायर को चौथे टेस्ट से बाहर करने का कारण खराब फार्म नहीं था बल्कि उनपर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उन्हें आराम दिया गया। इससे पहले कहा जा रहा था कि आठ साल बाद वापसी के बाद भी शुरुआती तीनों ही मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण इस बल्लेबाज को टीम से बाहर किया गया है। प्रशंसकों का मानना था कि करुण अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये जिस कारण उन्हें अपनी जगह खोनी पड़ी। नायर को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में शामिल न करते हुए उनकी जगह पर साई सुदर्शन को अवसर दिया गया। सुदर्शन ने अवसर का लाभ उठाते हुए पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। वह हालांकि, दूसरी पारी में रन नहीं बना पाये।

जडेजा को स्टोक्स से बेहतर ऑलराउंडर मानते हैं कपिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि पिछले कुछ समय में इंग्लैंड के ऑलरांउडर बेन स्टोक्स ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर भारत के रविन्द्र जडेजा से तुलना करें तो वह अभी भी पीछे हैं। कपिल ने कहा है कि जडेजा स्टोक्स से अधिक अच्छे ऑलराउंडर हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में 14वां टेस्ट शतक लगाया। इस दौरान उन्होंने अपने 7000 टेस्ट रन भी पूरे किए हैं। अब स्टोक्स के नाम 115 मैचों में 35.7 के औसत से 7032 रन हो गये हैं। उन्होंने इस दौरान 14 शतक और 35 अर्धशतक भी लगाये हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ चौथे मैच में 198 गेंद में ही 141 रन बनाए। वह सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। वहीं स्टोक्स के बारे में पूछे जाने पर कपिल ने कहा, ''मैं तुलना नहीं करना चाहता। स्टोक्स एक अच्छे ऑलराउंडर हैं हालांकि मुझे अभी भी लगता है कि जडेजा उनसे आगे हैं। वह कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।'' स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 7000 रन और 200 विकेट हासिल करने वाले तीसरे ऑलराउंडर हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस और वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स ने ये उपलब्धि हासिल की थी। जडेजा ने इंग्लैंड की पहली पारी में चार विकेट लिए थे। जडेजा इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज हैं। उन्होंने सात पारियों में 86.75 के औसत से 347 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 89 रन रहा है। उन्होंने जारी सीरीज में चार अर्धशतक लगाए हैं।

महिला विश्व कप शतरंज फ़ाइनल: जीत के करीब जाकर चूकी दिव्या, पहली बाजी बेनतीजा

बातुमी, जॉर्जिया (एजेंसी)। विश्व महिला शतरंज कप का इतिहासिक मुक़ाबला आज से आरंभ हो गया और यह पहली बार है की भारत विश्व कप जीतेगा क्यूंकी दोनों ही खिलाड़ी भारतीय है । सफ़ेद मोहरो से खेल रही दिव्या देशमुख नें आज अपनी ओपनिंग की तैयारी से दिग्गज कोनेरु हम्पी को लगभग हारी हुई स्थिति में पहुंचा दिया था पर अपने अनुभव से और दिव्या की कुछ गलत चालों से हम्पी इस मुश्किल बाजी को बचाने में कामयाब रही । क्लोन्स गेंबिट एकसेपटेड ओपनिंग में दिव्या नें हम्पी को अपनी नयी चालों से चौंकाया और खेल की दसवीं चाल में दिव्या को इस फायदा मिला और हम्पी गलती कर बैठी , हम्पी का राजा केंद्र में था और दिव्या नें आक्रमण भी किया और अपने घोड़े को

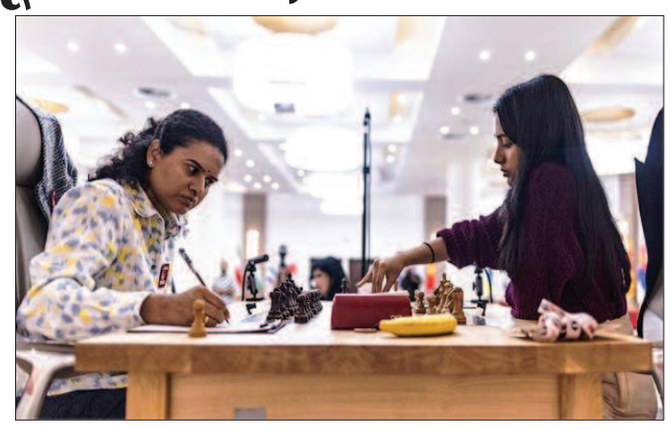

कुर्बान करते हुए खेल पर नियंत्रण ले लिया पर खेल की 14वीं चाल में ऊंट की अदला बदली करने की गलत चाल से उन्होने हम्पी को खेल में बराबरी हासिल करने का मौका दे दिया और इसके बाद हम्पी नें सम्हाल कर खेलते हुए पहले अपना घोडा कुर्बान करते हुए पहले अपने राजा को सुरक्षित किया और फिर अपने हथियों को खेल में ले आई और बराबरी हासिल कर ली , खेल की 30वीं चाल में जब हम्पी ड्रॉ के लिए सहमत थी दिव्या नें चाल बदल कर खेल को जारी रखने की मंशा जताई पर अब तक उनका राजा कमजोर हो चुका था और इस बात का फायदा उठाते हुए 35वीं चाल में अपना हाथी कुर्बान किया और दिव्या के राजा को लगातार शह देते हुए खेल ड्रॉ करा लिया । अब जब हम्पी कल सफ़ेद मोहरो से खेलते उतरेंगी तो दबाव दिव्या पर होगा और साथ ही उन्हे जल्द ही पहली बाजी खो देने के झटके से उबरकर एक नयी शुरुआत करनी होगी । अगर कल भी बाजी बेनतीजा रही तो फिर टाईब्रेक के जरिये विश्व कप विजेता का निर्णय लिया जाएगा ।

रोवमैन पॉवेल ने क्रिस गेल को पीछे छोड़ा, टी20आई में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर बने

बैसेटेरे । वेस्टइंडीज के बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल को पीछे छोड़कर टी20आई में टीम के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। पॉवेल ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बैसेटेरे में खेले गए चौथे टी20आई मैच के दौरान हासिल की। पहले तीन मैचों में 1, 12 और 9 रन के खराब स्कोर के बाद पॉवेल ने 22 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता की झलक दिखाई। अब तक 99 टी20आई मैचों में उन्होंने 87 पारियों में 25.66 की औसत और 141 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,925 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और नौ अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 107 है। गेल ने अपने शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में जिसमें उन्होंने दो टी20 विश्व कप जीते, 79 मैचों की 75 पारियों में 27.92 की औसत और 137.50 के स्ट्राइक रेट से 1,899 रन बनाए। उन्होंने दो शतक और 14 अर्धशतक लगाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रहा। अब संन्यास ले चुके निकोलस पूरन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वेस्टइंडीज के लिए शीर्ष पर हैं जिन्होंने 106 मैचों की 97 पारियों में 26.14 की औसत और 136 से अधिक के स्ट्राइक रेट और 13 अर्धशतकों के साथ 2,275 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 98 है।

पोंटिंग, कैलिस और द्रविड जैसे दिग्गजों के साथ नाम देखकर लगता है अच्छा : रूट

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने कहा है कि दिग्गज क्रिकेटरों रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा और ब्रायन लारा के साथ अपना नाम देखकर उन्हें हैरानी होती है। रुट मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन 150 रन बनाकर टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में 13,409 रन बनाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। उन्होंने इस दौरान राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोटिंग को पीछे छोड़ दिया है। रूट से आगे अब केवल सचिन तेंदुलकर 15,921 रन ही हैं। दूसरे नंबर पर पहुंचने के बाद रूट ने कहा, मैं बचपन से पोंटिंग, संगकारा और लारा जैसा बनना चाहता था। ऐसे में अब इन दिग्गजों के साथ अपना नाम देख निश्चित ही अच्छा लग रहा है। यह मेरे लिए थोड़ा हैरान करने वाला भी है। मैंने अपनी उपलब्धियों के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरा ध्यान इंग्लैंड को मैच जिताने पर रहा है।

अब देखना है कि क्या रूट सचिन के सबसे अधिक टेस्ट रनों का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे? इसके लिए उन्हें करीब तीन हजार रन चाहिये। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने कहा, रूट का औसत लगभग 85 रन प्रति टेस्ट मैच है, इसलिए उन्हें सचिन तक पहुंचने के लिए करीब 30 टेस्ट मैच खेलने होंगे। अभी वह 34 साल के हैं और उनके पास तीन से चार साल का समय है। वह काफी अच्छे फॉर्म में हैं और खेल के प्रति उनके प्यार और इच्छा में कोई कमी नहीं आई है। वहीं अगर वह फिट बने रहते हैं तो सचिन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

रुट ने अब तक 157 टेस्ट मैचों की 286 पारियों में 38 शतक और 66 अर्धशतक लगाते हुए 13,409 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 262 रन है। उनके नाम छह दोहरे शतक भी हैं। रूट से आगे केवल सचिन तेंदुलकर हैं। 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 51 शतक और 68 अर्धशतक लगाते हुए सचिन ने 15,921 रन बनाए हैं।

'दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए, कभी हां, कभी ना' : एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बोले कनेरिया

नई दिल्ली । पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने लंबे समय से विवादों और बहसों में घिरे एशिया कप के कार्यक्रम पर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबला संभवत: एशियाई क्रिकेट परिषद (इष्ट) द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) से मंजूरी मिलने के बाद हुआ है। एसीसी द्वारा शनिवार को घोषित विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को एशिया कप के ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। यह घोषणा भारतीय चैंपियंस टीम से जुड़े एक बेहद संवेदनशील प्रकरण के कुछ ही दिनों बाद आई है, जिसने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ निर्धारित मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया था। कनेरिया ने कहा, '(दोनों देशों के बीच) क्रिकेट होना चाहिए... लोग इस बारे में इसलिए बात कर रहे हैं क्योंकि हाल ही में एक घटना हुई थी जहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स में भारत-पाकिस्तान का मैच होना था, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने मैच का बहिष्कार कर दिया। इस कदम से संकेत मिला कि शायद भारत भविष्य में एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंट जैसे आयोजनों में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलेगा। इस बहिष्कार ने सुर्खियां बटोरीं और इसके बाद कई बयान आए, जिससे यह धारणा बनी कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में हिस्सा नहीं लेगा।'

भारतीय हॉकी के 100 साल: हॉकी इंडिया ने अनुदानों की घोषणा की, सात नवंबर को महोत्सव

महाबलीपुरम (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने यहां अपनी 15वीं कांग्रेस के दौरान राष्ट्रीय और जमीनी स्तर के टूर्नामेंट के समर्थन के लिए अपने वित्तीय अनुदान में पर्याप्त वृद्धि की घोषणा की है। अब से सीनियर पुरुष और सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए 70-70 लाख रुपये, जूनियर पुरुष, जूनियर महिला, सब जूनियर पुरुष और सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन के लिए 30-30 लाख रुपए आवंटित किए जाएंगे।

इसके अलावा जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के समर्थन के लिए प्रत्येक राज्य को 25 लाख रुपए दिए जाएंगे। हॉकी इंडिया ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन बढ़े हुए अनुदानों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, आयोजन की गुणवत्ता में सुधार करना और स्थानीय स्तर पर वित्तीय बाधाओं को कम करके व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस सहयोग से हजारों उभरते खिलाड़ियों, कोचों और जमीनी स्तर के अधिकारियों को लाभ होने की उम्मीद है जो भारतीय हॉकी के भविष्य की रीढ़ हैं।

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इस कांग्रेस में कई ऐतिहासिक घोषणाएं हुईं जिनमें 7 नवंबर को एक राष्ट्रव्यापी उत्सव का आयोजन भी शामिल है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में हॉकी इंडिया एक राष्ट्रव्यापी उत्सव का आयोजन करेगा जिसमें एक साथ 1,000 मैच होंगे (देश के प्रत्येक जिले में एक पुरुष और एक महिला मैच) जिसमें 36,000 से ज्यादा खिलाड़ी (18,000 पुरुष और 18,000 महिलाएं) भाग लेंगे। यह पहल देश के कोने-कोने से खिलाड़ियों को एक साथ लाएगी।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए हम न केवल अपनी स्वर्णिम विरासत का सम्मान करते हैं बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत नींव भी रखते हैं। यह राष्ट्रव्यापी उत्सव भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने वाले हर खिलाड़ी, कोच और प्रशंसक के लिए सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'हम जिस वित्तीय सहायता की घोषणा कर रहे हैं, वह अगली पीढ़ी के सपनों में निवेश है जिससे सुनिश्चित करते हैं कि संसाधनों की कमी के कारण कोई भी प्रतिभा पीछे नहीं छूटे।'

अक्षय कुमार को किस बात का सताया खौफ, बोले- डरा हुआ हूं

बॉलीवुड की दो बिंदास अदाकाराएं- ट्विंकल खन्ना और काजोल अब पर्दे पर नहीं, बल्कि ओटीटी की दुनिया में एक साथ आ रही हैं। हालांकि इस बार न तो वो किसी फिल्म में अभिनय कर रही हैं और न ही किसी सीरीज में साथ नजर आएंगी, बल्कि दर्शकों को एक नए और अनोखे टॉक शो से दोनों मिलकर एंटरटेन करते हुए नजर आएंगी। बस इसी बात से खिलाड़ी कुमार को डर लगा रहा है। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं।

एक साथ आ रहीं काजोल और ट्विंकल

अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना और अजय देवगन की पत्नी काजोल दोनों ही एक समय बॉलीवुड की चर्चित हीरोइनों में रही हैं। हालांकि अब ये दोनों अभिनेत्रियां टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के जरिए होस्ट की भूमिका में दिखने के लिए तैयार हैं। प्राइम वीडियो ने दोनों के पोस्टर को रिलीज भी कर दिया है। अब इनके पोस्टर पर अक्षय कुमार का भी रिएक्शन आ गया है।

अक्षय कुमार का रिएक्शन

खिलाड़ी कुमार ने काजोल और ट्विंकल खन्ना के इस पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपने डर का जिक्र किया है। अब ये तो हर कोई जानता है कि काजोल और ट्विंकल खन्ना दोनों अपनी-अपनी बात बड़ी ही बेबाकी से रखती हैं, ऐसे में टॉक शो में भी काफी कुछ धमाकेदार होने की उम्मीद है। बस इसी बात को सोचकर अक्षय ने लिखा है- दोनों को साथ देखकर ही डर लग रहा है, शो में क्या होगा सोच नहीं सकता।

प्राइम वीडियो पर होगा स्ट्रीम

इस शो का निर्माण बनिजेय एशिया द्वारा किया जा रहा है, जो पहले भी कई मशहूर शो और रियलिटी फॉर्मेट्स ला चुका है। इसे जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। इस शो की एक और खासियत है इसकी गेस्ट लिस्ट, जिसमें बॉलीवुड के बड़े नाम शामिल होंगे। हर एपिसोड में कोई न कोई चर्चित चेहरा शो का हिस्सा बनेगा और दर्शकों को मिलेगा एक बेहद मनोरंजक और बिंदास बातचीत का अनुभव।

रणवीर सिंह की अगली फिल्म में दिखेंगी साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला

रणवीर सिंह के खाते में अभी कई फिल्में हैं। स्पु र एक मेगा प्रोजेक्ट बॉबी देओल के साथ भी है। इस फिल्म में एक साउथ की हसीना की एंट्री हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... श्रीलीला, रणवीर और बॉबी के साथ एक बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ चुकी हैं। खास बात ये है है कि तीनों ही एक्टर्स अपने किरदारों के लिए खुद को पूरी तरह से ढलने में जुटे हैं। इस फिल्म की डिमांड ही ऐसी है कि इसमें उनसे वो जोश और बदलाव देखने को मिलेगा, जो अब तक कभी नहीं देखा गया। हालांकि, फिल्म का टाइटल अभी तक रिवील नहीं किया गया है और ना ही यह बताया गया है कि इसका निर्देशन कौन कर रहा है। बता दें कि श्रीलीला जल्द ही साउथ फिल्मों से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह अपनी पहली हिंदी फिल्म कार्तिक आर्यन के साथ कर रही हैं जिसका टाइटल रिवील नहीं हुआ है लेकिन माना जा रहा है कि यह आशिकी 3 है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। इसके अलावा वह जूनियर पर भी काम कर रही हैं। वहीं रणवीर जल्द ही फिल्म डॉन 3 में भी नजर आएंगे। फिल्म का टाइटल अभी तक रिवील नहीं किया गया है

शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन, मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट

अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर जल्द ही एक नई वेब सीरीज शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन में दिखेंगी। उन्होंने इस सीरीज को अपने जीवन का टर्निंग पॉइंट बताया है। एक इंटरव्यू में शिल्पा शिरोडकर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें न केवल व्यक्तिगत बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी बदल दिया। शिल्पा ने कहा, मैं हमेशा से आध्यात्मिक रही हूं। मुझे नई चीजें सीखना, सुनना और ज्ञान अर्जित करना पसंद है। जब यह सीरीज मेरे पास आई, तो मुझे लगा कि यह मेरे लिए जीवन बदलने वाला पल है। मैंने सोचा कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से मुझे पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों रूप से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

सीरीज में शिल्पा, महान संत और दार्शनिक आदि शंकराचार्य की मां आरंभा की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, आदि शंकराचार्य की मां का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। आदि शंकराचार्य की मां ने उनके जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह किरदार मेरे लिए बेहद मायने रखता है। इस किरदार को जीना मेरे लिए विशेष अनुभव भरा रहा। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट में काम करना उनके लिए रोजाना सीखने के अवसर जैसा रहा, इससे उन्हें काफी कुछ नया सीखने को मिला। उन्होंने बताया, राजर्षि भूपेंद्र मोदी जी जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व के साथ काम करना और स्क्रिप्ट पढ़ने से लेकर सेट पर बातचीत तक, हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। यह मेरे लिए विकास का शानदार मौका है।

शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन आदि शंकराचार्य के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित अपकमिंग सीरीज है। मोदी स्टूडियोज और राजर्षि भूपेंद्र मोदी ने इस सीरीज का निर्माण किया है। इस सीरीज में शिल्पा शिरोडकर के साथ अभिषेक निगम मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राजेश श्रृंगारपुरे, फरनाज शेट्टी, रति पांडे, और मनोज जोशी जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शिल्पा शिरोडकर 90 के दशक में गोपी किशन, आंखें, और खुदा गवाह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। शिल्पा बिग बॉस के 18वें सीजन का भी हिस्सा रहीं।

युजवेंद्र चहल के साथ डेटिंग रूमर्स के बीच महवश ने किया पोस्ट

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंस, आरजे और मॉडल महवश का नाम काफी वक्त से क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई मौकों पर साथ में स्पॉट किया गया है। हाल ही में लंदन में भी दोनों साथ-साथ घूमते दिखे। इसका संकेत इन दोनों के सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मिला। इनके कथित अफेयर की खबरों के बीच शादी तक के दावे किए जा रहे हैं, जिन पर महवश ने रिएक्ट किया है।

सोशल मीडिया पर रखा शादी का प्रस्ताव

महवश ने अपनी शादी के दावों वाली खबरों पर काफी मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आज मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने दिलकश फोटोज शेयर की हैं, जिनमें व्हाइट कलर के गाउन में प्रिंसेस लुक में दिख रही हैं। इसके साथ लिखा है, कुछ न्यूज चैनल ने दावा किया कि 31 जून को मेरी शादी है। ये फोटोज उसकी हैं। बस दूल्हा भाग गया। करेगा कोई मुझसे शादी? इसके साथ महवश ने हंसने वाले इमोजी बनाई हैं। यूजर्स ने पूछे दिलचस्प सवाल महवश के पोस्ट पर यूजर्स के दिलचस्प कमेंट्स आ रहे हैं। सिर्फ उनके फैंस ही नहीं, सेलेब्स भी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फलक नाज ने कमेंट किया है, गॉर्जियस। आरजे करिश्मा ने लिखा है, सुंदरी। एक यूजर ने लिखा, लव मैरिज और

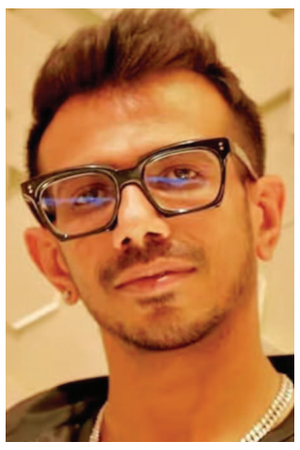

अरेंज मैरिज? एक अन्य यूजर ने लिखा, 31 जून कभी आती है क्या? लव मैरिज करेंगी महवश एक यूजर ने महवश से जब पूछा कि वे लव मैरिज करेंगी या अरेंज? इस पर महवश ने जवाब दिया, लव मैरिज। एक जाना पहचाना नालायक, अंजान नालायक से बेहतर होता है।

धनश्री वर्मा से तलाक के बाद जुड़ा महवश से नाम

धनश्री वर्मा के साथ तलाक के बाद युजवेंद्र चहल का नाम महवश के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, डेटिंग की कथित खबरों पर अब तक चहल और महवश दोनों ने चुप्पी साध रखी है। हालांकि, अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दोनों अप्रत्यक्ष रूप से यह संकेत तो देते रहते हैं कि इनके बीच नजदीकियां हैं।

कम फिल्में करके भी खुश हैं विद्या?

इन दिनों विद्या बालन को उनके फैंस बड़े पर्दे पर कम और इंस्टाग्राम रील पर ज्यादा देख रहे हैं। रील बनाने के प्रोसेस को भी विद्या बालन एंज्वॉय कर रही हैं। हालिया एक इंटरव्यू में अपने करियर में लिए गए इस ब्रेक के बारे में विद्या ने कई सारी बातें साझा की हैं।

विद्या बालन ने खुद को आशावादी इंसान बताया

बातचीत में विद्या बालन ने अपने मौजूदा करियर फेज को लेकर बात की है। वह कहती हैं, 'मैं बहुत ही ज्यादा उम्मीद रखने वाली इंसान हूं, मैं काफी आशावादी हूं। मुझमें बहुत कॉन्फिडेंस है। मैंने अपनी पूरी एबिलिटी के साथ काम किया है। लोगों ने मुझे कहा कि खुद पर काम करना चाहिए, मुझे अपना वजन कम करना चाहिए। मैंने लोगों के सजेशन को सुना, इन बातों ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की। मुझे अब भी लीड रोल मिल रहे हैं, मैं किसी भी तरह की इनसिक्योरिटी से परेशान नहीं हूं।' अपने अटूट आत्मविश्वास के बल पर ही उन्होंने वर्षों तक एक ऐसे उद्योग में काम किया है जहाँ अक्सर दिखावे को लेकर जुनून सवार रहता है। और अब, वर्षों में पहली बार, विद्या ने कहा कि वह तनाव-मुक्त दौर का आनंद ले रही हैं। अपने जीवन में पहली बार, मैं तनाव का अनुभव नहीं कर रही हूँ। जाने-अनजाने, हम बहुत तनाव से गुज़रते हैं। मैं इस दौर का आनंद ले रही हूँ। मैं पटकथाएँ पढ़ रही हूँ, लोगों से मिल रही हूँ, और मैंने दो फ़िल्में तय कर ली हैं। विद्या ने कहा, दुर्भाग्य से, मैं अभी इस बारे में बात नहीं कर पा रही हूँ। पिछले साल विद्या बालन फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। इस साल वह रितेश देशमुख के साथ एक फिल्म 'राजा शिवाजी' कर रही हैं। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराजा पर आधारित है।

एक बाइक का लालच मुझे ग्लैमर की दुनिया में ले आया... पर मैं बिग बॉस कभी ना करूं

छोटे पर्दे पर रोडीज के 20 सीजन कर चुके रणविजय सिंघा एक समय आर्मी में जाना चाहते थे। उनकी पांच पुश्तों ने सेना में रहकर देश की सेवा की है, मगर फिर बाइक का जुनूनी शौक उन्हें ग्लैमर जगत में ले आया। इन दिनों वे चर्चा में हैं छोटे पर्दे के अपने नए रिएलिटी शो छोरियां चली गांव के कारण। उनसे खास बातचीत।

आपकी पांच पुश्तों ने आर्मी में रह कर देश की सेवा की है और आपने भी खुद सेना में जाने के लिए रिटन एग्जाम दे दिया था, मगर फिर आप ग्लैमर की गलियों में कैसे मुड़ गए?

मैं तो आर्मी के लिए रिटन एग्जाम भी क्लियर कर चुका था। मैं भोपाल में सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड की तैयारी कर रहा था। मेरे पिता, दादा, चाचा, नाना सभी फौज में थे। तो जब मैंने आर्मी का ये फाइनल एग्जाम क्लियर कर लिया और खुद को साबित कर दिया कि मैं सेना में जाने के योग्य हूं, तो तब मेरे पास वो चॉइस थी कि मैं अपने करियर को अपने हिसाब से आगे बढ़ाऊं। मुझे मोटरसाइकिल चलानी थी, बास्केटबॉल खेलना था और एडवेंचर स्पोर्ट्स का हिस्सा बनना था। उस वक्त मुझे लगा कि अपने ये सारे शौक मैं फौज में पूरे कर सकता हूं। फिर बाइक जीतने का लालच मुझे यहां लाया। रोडीज मेरे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, क्योंकि मुझे लगा कि जो मैं सेना से चाहता था, वो मुझे बाहर भी मिल रहा है। मैंने घर में इस बात को लेकर चर्चा की, काफी गहरा डिस्कशन हुआ और निष्कर्ष ये निकला कि मुझे ग्लैमर के क्षेत्र को एक साल देना होगा, उस बीच कुछ हो गया तो ठीक है वरना फौज तो है ही। फिर क्या था, मैं रोडीज का विनर बनने के बाद मेरी गाड़ी चल पड़ी।

एक जमाना था जब आप कंटेस्टेंट थे और फिर आप कई शोज के होस्ट और जज बने, तो उस पार से इस पार आने का आपका अनुभव कैसा रहा? के आप बिग बॉस जैसे रिएलिटी शोज का हिस्सा बनना चाहेंगे?

आप जब कंटेस्टेंट होते हैं, तो आप पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं होती। आपको खुद पर ध्यान देना होता है, मगर जज या होस्ट के रूप में पूरे शो की जिम्मेदारी आपकी होती है। मैं तो रोडीज में एक ही बार प्रतियोगी था और उसके बाद तो मेरा रोल बदल गया। हालांकि मुझे कई ऐसे शोज के ऑफर आए, जहां मुझे कंटेस्टेंट बनना था, मगर मैं उनका हिस्सा नहीं बना। । मुझे लगता है कि कंटेस्टेंट बनने से मेरी होस्ट की पोजीशन डाइल्यूट हो सकती है। मैं ऐसे शोज करना चाहता हूं, जिससे मेरी सेल्फ ग्रोथ हो। जैसे मैंने जंगल सफारी का एक शो किया था, जिसमें मैं 8 जंगलों में घूमने का मौका मिला था। मैंने उस शो से काफी कुछ सीखा था और अब तो वैसे भी मुझे अपने बच्चे पालने हैं।

काम और परिवार के बीच संतुलन कैसे रखते हैं?

मैं परिवार को बहुत महत्व देता हूं। मेरी प्राथमिकताएं साफ हैं। मुझे पता है कि मुझे खुशी कहां से मिल सकती है? वो तो परिवार से ही मिलेगी। मेरा काम मेरा पेशा है और अगर मैं किसी खदान में काम कर रहा होता, अब भी मैं अपने परिवार और एडवेंचर को अहमियत दे रहा होता। मैं अपने बच्चों की सही परवरिश करना चाहता हूं। उनके साथ वक्त बिताना चाहता हूं। मेरे बच्चों को मेरे प्रोफेशन के बारे में ज्यादा पता नहीं है। वे इतना जानते हैं कि डैड बाइक चलाने जाते हैं और टीवी पर दिखते हैं। आप हीरो हो या क्रिमिनल आपके बच्चे आपको पिता के रूप में ही देखेंगे। आपके बच्चे आपको बिना किसी एजेंडा के प्यार करते हैं, इसीलिए बच्चों का प्यार इतना क्रेजी होता है। वे आपको आपकी हैसियत से परे निस्वार्थ प्रेम करते हैं। मुझे तो अपना परिवार और बच्चे चाहिए।

आपसे जुड़ा थप्पड़ कांड रहा हो या रिया चक्रवर्ती वाला विवाद, आपकी बेबाक बयानबाजी का आपको नुकसान उठाना पड़ता है?

मुझे इस दुनिया में फर्क पड़ता है, अपने परिवार, माता-पिता और बच्चों से। बाकी मैं दूसरों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मुझे जो सही लगता है, मैं बोलता हूं। अपना स्टैंड रखता हूं। अब सच और गलत का तो कोई जजमेंट नहीं दे सकता, क्योंकि एक का सच दूसरे के लिए गलत हो सकता है। मगर मुझे क्या लगता है, ये बोलने का हक तो मुझे है और मैं वो बोलता हूं।

रोडीज़ के बीस सीजन करने के बाद आप इस शो को करने के लिए क्यों प्रेरित हुए?

मुझे इस शो का फॉर्मेट बहुत पसंद आया। असल में ये शो मराठी में हिट रहा है। शहर में आधुनिक सुख-सुविधाओं की आदी लड़कियों को असली गांव के बेसिक माहौल में ले जाया जाए। जहां पर इन लड़कियों को एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा के बजाय खुद सर्वाइव करना है। शहर में तो चाहे ऐसी हो या कैब आपके एक बटन या कॉल पर है, मगर गांव में तो आपको पानी तक के लिए पनघट जाना पड़ जाए। आज जब हम प्रकृति से जुड़े रहने की बात किस्से-किताबों में पढ़ते हैं, तो ये सारी चीजें हमारे शो में हैं। मेरे लिए इन छोरियों अर्थात लड़कियों को उस माहौल में डालना बड़ा दिलचस्प रहा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।